Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 10 अंक: 226 जयपुर, बुधवार, 17 जनवरी 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: ` 1.50

अब होगी सुर्खियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

डिजायर करना सदन के विशेषाधिकारों का हनन: घनश्याम तिवाड़ी बोले

पर्ची बड़ी खतरनाक है, जब यह निकलती है तो लोगों के होश उड़ जाते हैं

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने मंगलवार को कहा कि डिजायर करना सदन के विशेषाधिकारों का हनन है। इसका ट्रांसफर यहां कर दो, वहां कर दो, यह डिजायर सिस्टम बन गया है। यह विशेषाधिकार का हनन है। उन्होंने राजस्थान विधानसभा में विधायकों की ट्रेनिंग वर्कशॉप में यह बात कहीं। उन्होंने कहा कि मैं खुद की तारीफ नहीं करता, लेकिन मैनें 40 साल के संसदीय जीवन में कभी डिजायर नहीं की और मंत्री था तो कोई गवर्नमेंट ऑर्डर नहीं किया। काम इसके बिना भी हो सकता है। इस दौरान एक विधायक ने कहा कि काम पर्ची से कर सकते हैं। इस पर राज्यसभा सांसद ने कहा- यह पर्ची बड़ी खतरनाक है। जब यह निकलती है, तो होश उड़ जाते हैं लोगों के। इसके बाद उन्होंने कहा कि मुझे पर्ची आ गई है, समय कम बचा है। तिवाड़ी ने कहा कि वाजपेयी के विशेषधिकार हनन मामले में बहुत लंबी चर्चा हुई। उस समय के स्पीकर पूनम चंद बिश्नोई ने जो फैसला दिया, उसे आज भी देशभर की विधानसभाओं में नजीर की तरह पेश किया जाता है। उन्होंने निर्णय दिया कि यह सदन किसी दूसरे सदन के सदस्य के विशेषाधिकार पर चर्चा नहीं कर सकता। वाजपेयी सांसद थे, इसलिए उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन खारिज हो गया।

सवाल पूछकर सदन से गायब होना भी विशेषाधिकार का हनन

तिवाड़ी ने कहा- विशेषाधिकार हनन को लेकर समय- समय पर संसद और विधानसभाओं में खूब बहस हुई हैं। विधायक के खिलाफ भी विशेषाधिकार हनन हो सकता है। पंडित नेहरु के समय तुलमोहनकांड हुआ था। उस वक्त 23 सांसदों ने लाइसेंस की सिफारिश की, नेहरू ने मान लिया था कि यह विशेषाधिकारों का हनन है। उन 23 सांसदों की मेंबरशिप खत्म होने वाली थी। हालांकि स्पीकर उदार होते हैं, उन्होंने चेतावनी देकर छोड़ दिया। कोई सांसद, विधायक सवाल पूछे और पूछकर सदन से गायब हो जाए तो यह भी विशेषाधिकार हनन की कैटेगरी में आता है। आप सवाल लगा दें, बाहर समझौता कर लें यह गलत है। हालांकि वर्कशॉप में तिवाड़ी ने चुटकी लेते हुए कहा-अध्यक्षजी किसी पर वारंट जारी कर सकते हैं, लेकिन घनश्याम तिवाड़ी के खिलाफ नहीं। क्योंकि मैं राज्यसभा का मेंबर हूं।बीजेपी विधायक दल की बैठक में भजनलाल शर्मा को सीएम बनाने की घोषणा वसुंधरा राजे ने पर्ची देखकर की थी।

बोलना है तो अध्यक्ष से आंख मिलाना सीखें विधायक

राज्यसभा सांसद तिवाड़ी ने कहा कि नए विधायक विधानसभा स्पीकर से आंख मिलाना सीख लें। बिल पारित होते वक्त जैसे ही मंत्री पारण का प्रस्ताव रखें, उसी समय विधायक खड़े होकर अध्यक्ष से आंख मिलाएं और अध्यक्ष महोदय कहकर बोलना शुरू कर दें, ऐसे में बोलने की अनुमति देनी होगी। यदि अध्यक्ष से आंख मिलाना सीख लेंगे तो बोलने का मौका मिल जाएगा।

तब वाजेपयी ने कहा था- ऊंटों के भाव बिक गए विधायक

तिवाड़ी ने विशेषाधिकार हनन प्रस्तावों पर कहा- इस सदन में अनेक बार विशेषाधिकार हनन पर चर्चा हुई है। अटल बिहारी वाजपेयी के खिलाफ भी विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाया जा चुका हैं। कांग्रेस राज की बात है, उस समय पूनम चंद विश्नोई विधानसभा स्पीकर थे। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग हुई, तब वाजपेयी ने कहा था- विधायक ऊंटों की तरह बिक गए। इस बयान पर ?उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाया गया। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वसुंधरा राजे को पर्ची दी थी, उस पर्ची को देखकर वसुंधरा राजे कुछ समय के लिए अवाक रह गई थीं, फिर उन्होंने भजनलाल के नाम की घोषणा की। उनके हावभाव सियासी चर्चाओं में रहे थे।

जल जीवन घोटाला

पूर्व मंत्री महेश जोशी, 2 अफसर व 2 ठेकेदारों पर ईडी के छापे

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। जल जीवन मिशन घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को पूर्व मंत्री महेश जोशी, दो अफसरों व दो ठेकेदारों के दो-दो ठिकानों पर छापा मारा। जयपुर, दिल्ली और गुजरात की 10 टीमों ने सुबह 5:30 बजे जयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर जिलों में कार्रवाई शुरू की। घोटाले की जांच 6 माह से ईडी कर रही है। पहले भी ईडी इस मामले में दो बार कार्रवाई कर चुकी है। ईडी की टीमों ने मंगलवार को महेश जोशी के घर पर तलाशी ली। जोशी और उनकी पत्नी व बहू से कुछ फाइलों को लेकर पूछताछ भी की। ईडी जोशी को मुख्यालय आने का नोटिस भी दे सकती है। फिर पूछताछ दिल्ली या जयपुर में होगी। जल जीवन मिशन में हुई खरीद में बड़ी राशि के फर्जी बिल ईडी के हाथ लगे हैं। इनके लिए ईडी पूर्व मंत्री सहित अधिकारी और ठेकेदारों से पूछताछ करने पहुंची। इन बिलों की मंजूरी देने की जिम्मेदारी इनके पास ही थी। ईडी के पास कुछ वाउचर हैं, जिन पर साइन कर करोड़ों रुपए का भुगतान उठाया गया। ये जोशी या अधिकारियों के सिग्नेचर के बाद ही क्लियर हुए हैं, यह पुष्टि हो जाने के बाद ईडी आगे एक्शन करेगी। यहां भी छापे: चौमूं में पीएचईडी ठेकेदार पदमचंद जैन के बेटे पीयूष

जैन के ससुराल में। बांसवाड़ा में ठेकेदार जगदीश प्रसाद अग्रवाल के यहां। अजमेर में पीएचईडी के एसई परितोष गुप्ता के घर। सभी के यहां मिली राशि का खुलासा जल्द होगा। जल जीवन मिशन में फर्जी अनुभव व आय प्रमाण पत्र से टेंडर व वर्कऑर्डर में गड़बड़ी की शिकायतें हैं। कुछ ठेकेदारों को 100 करोड़ से ज्यादा के कई काम दिए गए। उदयपुर में 100-100 करोड़ के रेट कॉन्ट्रेक्ट के टेंडर भी जांच के दायरे में हैं। ठेकेदारों को नियम विरुद्ध भुगतान भी किए गए। कुल 20 हजार करोड़ से ज्यादा के काम फर्जी प्रमाण पत्रों व गलत तरीके से देने के आरोप है। डीआई की जगह एचडीपीई पाइपलाइन डालकर, टंकियों में घटिया सामग्री लगाकर करोड़ों का पेमेंट उठया गया। पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी ने कहा है कि राजस्थान में फिर राजनीतिक भावना से ईडी का दुरुपयोग हुआ है। सरकार बदल गई।

गोविंदसिंह डोटासरा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष बने रहेंगे

विधायक दल की बैठक के 41 दिन बाद टीकाराम जूली के नाम पर मुहर, बने नेता प्रतिपक्ष

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। अलवर ग्रामीण से तीसरी बार विधायक टीकाराम जूली विधानसभा में कांग्रेस की तरफ से नेता प्रतिपक्ष होंगे। इसके साथ ही 1952 में पहले चुनाव के 71 साल बाद विधानसभा को पहला दलित नेता प्रतिपक्ष मिलेगा। कांग्रेस ने मंगलवार को जूली के साथ गोविंदसिंह डोटासरा के प्रदेशाध्यक्ष बने रहने की घोषणा की। सोमवार सुबह से नेता प्रतिपक्ष के रूप में जूली का नाम चर्चा में था। हालांकि जूली के नाम पर मुहर लगने में 41 दिन लग गए, क्योंकि कांग्रेस ने विधायक दल की बैठक 5 दिसंबर को ही हो गई थी। इधर, विधानसभा के पहले सत्र की बैठकें 19 जनवरी से फिर शुरू हो रही हैं। नेता प्रतिपक्ष घोषित होते ही विधानसभा की बिजनेस एडवाइजर कमेटी की बैठक के सदस्यों की घोषणा भी हो गई। जूली को भंवर जितेंद्र सिंह का नजदीकी माना जाता है। विधानसभा में प्रश्नकाल सबसे महत्वपूर्ण है। कांग्रेस सरकार में जूली ने मंत्री रहते प्रश्नों के पूरी तैयारी से उत्तर दिए थे। पूरक प्रश्नों पर तुरंत उत्तर व बेबाक शैली भी उनके पक्ष में गई। विधानसभा चुनाव में पूर्वी राजस्थान कांग्रेस के लिए कमजोर कड़ी रहा। ऐसे में वहीं से एक बड़ा पद देना कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा है। लोकसभा चुनाव में जितेंद्र सिंह के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा

सकते हैं। रविवार और सोमवार को दिल्ली में राजस्थान से जुड़े नेताओं के बीच औपचारिक मुलाकातों में जूली का नाम आगे किया गया। नेता प्रतिपक्ष को कैबिनेट मंत्री का दर्ज़ा दिया जाता है। गाड़ी और मंत्री के बंगले की सुविधा के साथ विधानसभा में भी मंत्री के रूप में ही प्रोटोकॉल रहता है। विधानसभा परिसर में नेता प्रतिपक्ष के कक्ष के साथ ही मंत्री की तरह संपूर्ण स्टाफ की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है। सदन में प्रश्नकाल व अन्य कार्यवाही के दौरान नेता प्रतिपक्ष को किसी भी समय बोलने का विशेषाधिकार रहता है। चंद्रशेखर को तेलंगाना प्रदेश संगठन महामंत्री बनाए जाने के बाद राजस्थान भाजपा को नए प्रदेश संगठन महामंत्री का इंतजार है।

फोकस लोकसभा चुनाव पर, पूर्वी राजस्थान के साथ जाट-दलित साधे

माना जा रहा है कि नेता प्रतिपक्ष व प्रदेशाध्यक्ष का निर्णय कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव को ध्यान में रख? किया है। चूंकि प्रदेश में भाजपा से मुख्यमंत्री पूर्वी राजस्थान से हैं। ऐसे में नेता प्रतिपक्ष से इस क्षेत्र को साधा गया। इसके साथ ही जातिगत दलित और जाट का गणित भी बिठाया गया है। माना जा रहा है कि पड़ोसी राज्य से किसी चेहरे को जिम्मेदारी दी जा सकती है। चर्चा मध्यप्रदेश, बिहार तक के चेहरे की है।

राहुल बोले- प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम मोदी-आरएसएस का फंक्शन

इसे चुनावी कलेवर दिया गया, भाजपा बोली- वे ख्याली दुनिया में जी रहे

■ संजीवनी टुडे

कोहिमा। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तीसरे दिन राहुल गांधी नगालैंड की राजधानी कोहिमा पहुंचे। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाला रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का फंक्शन है। इसे पूरी तरह से चुनावी कलेवर दिया गया है। भाजपा ने इसका जवाब देते हुए कहा कि वे ख्याली दुनिया में रहते हैं। हिंदू धर्म के जो लीडर/अथॉरिटी हैं, उन्होंने कहा है कि वो इस राजनीतिक कार्यक्रम में नहीं जा पाएंगे। इसलिए कांग्रेस अध्यक्ष ने वहां जाने से इनकार किया था। जहां तक धर्म की बात है, हम सभी धर्मों के साथ हैं। हम ये कहना चाहते हैं कि कांग्रेस पार्टी से जो भी जाना चाहे, वो जा सकता है। जो सचमुच धर्म को मानते हैं, वो धर्म के साथ 'पर्सनल रिश्ता' रखते हैं। वे अपने जीवन में धर्म का प्रयोग करते हैं। जो धर्म के साथ 'पब्लिक रिश्ता' रखते हैं, वो धर्म का फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। राहुल ने कहा- मैं अपने धर्म का फायदा उठाने की कोशिश नहीं करता हूं, मैं अपने धर्म के सिद्धांतों पर जिंदगी जीने की कोशिश करता हूं। इसलिए मैं लोगों की इज्जत करता हूं, अहंकार से नहीं बोलता, नफरत नहीं फैलाता। ये मेरे लिए हिंदू धर्म है। हम नफरत और बंटा हुआ हिंदुस्तान नहीं चाहते हैं। हम मोहब्बत और भाईचारे का हिंदुस्तान चाहते हैं।

पिछली यात्रा ऐतिहासिक रही: राहुल

राहुल गांधी ने कहा कि कन्याकुमारी से कश्मीर तक चली पिछली यात्रा ऐतिहासिक रही थी। लोगों ने हमसे कहा कि ईस्ट से वेस्ट या वेस्ट से ईस्ट की भी यात्रा होनी चाहिए। इसके बाद ईस्ट से वेस्ट करना तय हुआ। शुरुआत मणिपुर से की है। राहुल बोले- मणिपुर के साथ बहुत अन्याय हुआ। पहली बार हिंदुस्तान के किसी राज्य में महीनों से हिंसा चल रही है। पीएम मोदी और बीजेपी के लोग यहां आए तक नहीं। पीएम ने नगालैंड से किया अपना वादा पूरा नहीं किया है। राहुल ने कहा कि देश की सरकार ओबीसी, दलित, आदिवासी चलाते ही नहीं है। इनकी सहभागिता ही नहीं हो पाती। मैंने 90 अफसरों का उदाहरण भी दिया था। देश ने उस बात को माना भी। राहुल के आरोप पर केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि राहुल खयाली दुनिया में जी रहे हैं। राम मंदिर को लेकर देश के कोने-कोने में हिंदुओं की गहरी भावना है। वे सोचते हैं कि जो कुछ झूठ वे बोलेंगे लोग उसे मान लेंगे। लेकिन भारत के लोग काफी समझदार हैं। राहुल गांधी की राजनीति तो समझते हैं। हम यह फैसला जनता पर छोड़ेंगे कि उन्हें राहुल को क्या जवाब देना चाहिए। इंडिया में सीट शेयरिंग को लेकर राहुल ने कहा कि अलायंस चुनाव लड़ेगा और जीतेगा। सीट शेयरिंग को लेकर हमारी बातचीत जारी है।

कूनो में एक और चीते की मौत

नामीबिया से आए 'शौर्य' ने तोड़ा दम, अब तक 7 चीते और 3 शावकों की जान गई

■ संजीवनी टुडे

श्योपुर। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में मंगलवार को एक और चीते की मौत हो गई। नामीबिया से लाए गए चीता 'शौर्य' ने दोपहर 3.17 बजे दम तोड़ दिया। इससे पहले चीतों की मॉनिटरिंग कर रही टीम ने सुबह 11 बजे जब उसे देखा तो वह अचेत हालत में था। टीम ने उसे ट्रैंकुलाइज कर सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) दिया। कुछ देर बाद उसे होश आया लेकिन कमजोरी बहुत थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद शौर्य की मौत के कारण का खुलासा होगा। कूनो में अब तक 7 चीते और 3 शावक मिलाकर यह 10वीं मौत है। यहां प्रोजेक्ट चीता के तहत सितंबर 2022 में 8 चीतों को नामीबिया से लाया गया था। इसके बाद फरवरी 2023 में 12 और चीतों को दक्षिण अफ्रीका से लाया गया था। चीता शौर्य अपने सगे भाई गौरव के साथ आया था। दोनों हमेशा एक साथ रहते थे, साथ शिकार करते थे। कुछ समय पहले दोनों की अग्नि और वायु चीते से भिड़ंत हुई थी। वे दोनों भी सगे भाई थे। इसमें अग्नि गंभीर रूप से घायल हो गया था। इसके बाद चीतों को बाड़े में बंद कर दिया गया था। नामीबिया से लाई गई 4 साल की मादा चीता साशा की किडनी इंफेक्शन से मौत हो गई। वन विभाग ने बताया कि 15 अगस्त 2022 को नामीबिया में साशा का ब्लड टेस्ट किया गया था, जिसमें क्रियेटिनिन का स्तर 400 से ज्यादा था। इससे ये पुष्टि होती है कि साशा को किडनी की बीमारी भारत में लाने से पहले ही थी। साशा की मौत के बाद चीतों की संख्या घटकर 19 रह गई।

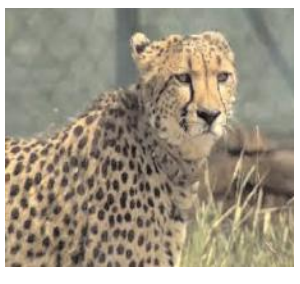

बागेश्वर धाम वाले धीरेंद्र शास्त्री ने हनुमानगढ़ी के दर्शन किए

योगी बोले-गोली नहीं लड्डू के गोले मिलेंगे; हेमा मालिनी ने कहा-सदियों में जो नहीं हुआ, वो होने वाला है

■ संजीवनी टुडे

अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां तेज हो गई हैं। मंगलवार को हेरिटेज एंड हैंडवीविंग रिवाइवल चैरिटेबल ट्रस्ट ने रामलला के वस्त्रों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपा। रामलला का यह वस्त्र 12 लाख भक्तों ने दो-दो धागे के सहयोग से बनाया है। इस दौरान सीएम ने कहा, नए भारत की नई अयोध्या आ चुकी है, हर कोई अयोध्या जाने के लिए इच्छुक हैं। अब अयोध्या में कोई गोली नहीं चलाएगा कोई कर्फ्यू नहीं लगेगा। गोली नहीं लड्डू के गोले मिलेंगे। किसी को धैर्य नहीं खोना है। बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री भी मंगलवार शाम को अयोध्या पहुंच गए हैं। उन्होंने यहां पहले हनुमानगढ़ी में दर्शन पूजन किया। इस दौरान भारी भीड़ मौजूद रही। लोगों में पंडित धीरेंद्र शास्त्री के साथ सेल्फी लेने की होड़ लगी रही। 16 जनवरी (मंगलवार) से प्राण प्रतिष्ठा से जुड़े अनुष्ठान शुरू हो चुके हैं, जो 21 जनवरी तक चलेंगे। दोपहर एक बजे से भगवान रामलला की मूर्ति के निर्माण स्थल पर कर्मकुटी पूजा हुई। इसके बाद यजमान और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने सरयू में पूजन किया।

राम मंदिर की नई तस्वीर सामने आई

बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री भी मंगलवार शाम को अयोध्या पहुंच गए हैं। उन्होंने यहां पहले हनुमानगढ़ी में दर्शन पूजन किया। इस दौरान भारी भीड़ मौजूद रही। लोगों में पंडित धीरेंद्र शास्त्री के साथ सेल्फी लेने की होड़ लगी रही। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से 6 दिन पहले राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम मंदिर की इन तस्वीर जारी की है। भव्य मंदिर बनकर तैयार हो चुका है और उसकी सजावट भी कर दी गई है। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का पूजन विधि भी शुरू हो गया है।

प्रयागराज में श्रीराम चरण पादुका यात्रा का स्वागत, चित्रकूट से निकली है यात्रा

चित्रकूट से निकली श्री राम चरण पादुका यात्रा मंगलवार को संगम नगरी प्रयागराज पहुंची। जगह-जगह यात्रा का स्वागत किया गया। यात्रा कौशांबी होते हुए प्रयागराज पहुंची। यात्रा में शामिल संतों और श्रद्धालुओं ने प्रयागराज के माघ मेले में संगम पर पूजा अर्चना की और उसके बाद अलोपीबाग स्थित शंकराचार्य आश्रम में राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य जगतगुरु स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती का आशीर्वाद लिया। इससे पहले राम जन्मभूमि परिसर में साफ सफाई की गई। राम मंदिर को भी सरयू जल से धोया गया। मथुरा की सांसद हेमा मालिनी मंगलवार को अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंची। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि हम अयोध्या आए हैं। सदियों में वह नहीं हुआ, जो होने वाला है। इस ऐतिहासिक क्षण में हम अयोध्या आए हैं। मैं कल एक लघु नाटिका पेश करने आई हूं।

आरएसएस भर्ती परीक्षा: कैबिनेट में होगा फैसला

विधानसभा में मंत्री किरोड़ीलाल के साथ मुख्यमंत्री से मिले धरना दे रहे छात्र

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। राजस्थान प्रशासनिक सेवा भर्ती परीक्षा की तारीख आगे बढ़ाने की मांग को लेकर कैबिनेट बैठक में फैसला होगा। मंगलवार को राजस्थान यूनिवर्सिटी में पिछले 7 दिनों से धरना दे रहे छात्रों का प्रतिनिधिमंडल कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल से मिलने विधानसभा पहुंचा। जहां मुख्यमंत्री ने छात्रों से कैबिनेट की बैठक में मुख्य भर्ती परीक्षा की तारीख पर फैसला लेने की बात कही। बता दें कि राजस्थान में बीजेपी सरकार के गठन के बाद पहली कैबिनेट की बैठक 18 जनवरी को प्रस्तावित है। राजस्थान यूनिवर्सिटी में पिछले 7 दिनों से धरने पर बैठे छात्र नेता लक्ष्य सिंह ने कहा कि आज मुख्यमंत्री के साथ हमारी सकारात्मक वार्ता हुई है हमें पूरी उम्मीद और विश्वास है कि 18 जनवरी के दिन होने वाली कैबिनेट बैठक में सभी जनप्रतिनिधि छात्रों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए फैसला लेंगे क्योंकि अब तक बीजेपी के 50 से ज्यादा विधायक और 10 मंत्रियों ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा भर्ती परीक्षा की तारीख आगे बढ़ाने की मांग को लेकर हमारा समर्थन किया है कई जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को पत्र भी लिखा है इसलिए अब हम सरकार से सिर्फ यही मांग करते हैं की मुख्य भर्ती परीक्षा की तारीख को 3 महीने आगे बढ़ा दिया जाए ताकि हम अच्छे से तैयारी कर परीक्षा दे सके। बता दें कि राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से आरएएस मुख्य भर्ती परीक्षा का आयोजन 27 और 28 जनवरी को किया जा रहा है। इसके खिलाफ प्रदेशभर में युवाओं ने सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक अभियान शुरू कर दिया है। वहीं राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्र सरकार के खिलाफ धरने पर भी बैठे हैं। जहां समझाइश करने के लिए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर और कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा भी पहुंच चुके हैं। लेकिन छात्र अपनी मांगों को लेकर अड़े हुए हैं।

सिंह-कौर सरनेम सिखों की पहचान के लिए जरूरी नही

गुरुद्वारा कमेटी इलेक्शन को चुनौती दी थी, जम्मू कश्मीर हाईकोर्ट ने याचिका खारिज की

■ संजीवनी टुडे

श्रीनगर। जम्मू और कश्मीर हाईकोर्ट का कहना है कि सिख धर्म के व्यक्ति की पहचान के लिए उसके सरनेम में 'सिंह' या 'कौर' होना जरूरी नहीं है। दरअसल, जस्टिस वसीम सादिक नरगल की बेंच अखनूर गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (डीजीपीसी) के चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। वैधानिक अपीलीय प्राधिकारी से याचिका खारिज होने के बाद याचिकाकर्ता हाईकोर्ट पहुंचा था। याचिकाकर्ता ने अखनूर में डीजीपीसी का चुनाव लड़ा और हार गया। इसने चुनाव रिजल्ट को चुनौती दी थी। उसका कहना था कि चुनाव में कुछ गैर-सिख मतदाताओं को वोटर लिस्ट में जोड़ा गया था। इन वोटर्स के सरनेम में 'सिंह' या 'कौर' नहीं था। याचिका में यह भी कहा गया कि गैर-सिखों को शामिल करने से पूरी चुनाव प्रक्रिया खराब हो गई है और उन्होंने डुप्लिकेट एंट्रीज और मृत वोटर्स के वोट डालने की भी बात कही थी। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ने दावों और आपत्तियों के लिए निर्धारित समय सीमा के दौरान मतदाता सूची को लेकर कोई आपत्ति नहीं उठाई थी। यह भी देखा गया कि पूरी चुनाव प्रक्रिया में शामिल होने के बाद ऐसे मुद्दों को उठाने की अनुमति नहीं थी।

ऐसे कई लोग जो जिनका सरनेम सिंह या कौर नहीं: जस्टिस नरगल

जस्टिस वसीम सादिक नरगल ने जम्मू-कश्मीर सिख गुरुद्वारा और धार्मिक बंदोबस्ती अधिनियम, 1973 का जिक्र करते हुए कहा- ह्लयाचिकाकर्ता का तर्क 1973 के अधिनियम में निर्धारित परिभाषा के उलट है। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। न ही यह कानून की नजर में टिकाऊ है। ऐसे बहुत से लोग हैं, जिनके सरनेम में सिंह या कौर नहीं है, लेकिन फिर भी उन्हें सिख के रूप में पहचाना जाता है, क्योंकि वे सिख धर्म का प्रचार करते हैं। जस्टिस नरगल ने कहा - यह एक अनोखा मामला है, जहां अपीलकर्ता आपत्तियां दर्ज करने और चुनाव में भाग लेने का मौका लेने में असफल रहा। असफल होने पर वह झूठी याचिका दायर करके पलट गया। इसलिए याचिका आधारहीन बताते हुए खारिज कर दिया गया।

खबरें फटाफट

सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर देहात द्वारा राजकीय अस्पताल में फल वितरित

संजीवनी टुडे

चौमूं। सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा के जन्मदिवस के उपलक्ष पर सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर देहात के तत्वाधान में प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद मिश्रा एवं जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा के सानिध्य में चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुरेश जांगिड़ एवं डॉ अजीत सिंह शेखावत के मार्गदर्शन में मरीजों को फल वितरित किए गए। इस अवसर पर वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सुभाष तिवारी, जिला कोषाध्यक्ष गजानन शर्मा, जिला महामंत्री मंजीता शर्मा, ब्राह्मण समाज के पूर्व अध्यक्ष बनवारी लाल भातरा, जिला उपाध्यक्ष निखिल तिवारी, मोहनलाल शर्मा, जिला सचिव राजेश मिश्रा, प्रवीण शर्मा, योगेश शर्मा, कमलेश शर्मा, गोपाल रामरतन, कौशल शर्मा सहित बड़ी संख्या में महासभा पदाधिकारी सदस्य उपस्थित थे।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा को लेकर छात्र - छात्राओं ने निकाली विशाल रैली

संजीवनी टुडे

मालपुरा (टोंक)। आगामी 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में होने वाले रामलला प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरे देश में समारोह आयोजित किया जा रहे हैं और विभिन्न तरह के धार्मिक आयोजन किया जा रहे हैं। घर-घर जाकर अयोध्या से आए पूजित अक्षत एवं आमंत्रण पत्रक बांटे जा रहे हैं व लोगों से अयोध्या महोत्सव में शामिल होने का आग्रह किया जा रहा है। ऐसे में मालपुरा में कल मंगलवार को रामलला प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के हजारों विद्यार्थियों द्वारा हाथों में भगवा झंडियां लेकर रैली निकाली गई। रैली में विद्यार्थियों ने पीली पताका लहराते हुए जय श्री राम के नारे लगाते हुए रैली को अद्भुत बना दिया।

श्रुति शर्मा को पीएचडी की उपाधि

संजीवनी टुडे

जयपुर। आईआईएस (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) के बिजनेस स्टडीज डिपार्टमेंट की स्टूडेंट श्रुति शर्मा को इंपैक्ट ऑफ डिजिटल एडवरटाइजिंग ऑन कंजूमर बाईंग बिहैवियर(ए स्टडी ऑफ एफएमसीजी प्रॉडक्ट ऑफ आयुर्वेदिक कंपनीज)विषय पर पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। इन्होंने अपना शोध कार्य प्रो.रुचि जैन के निर्देशन में पूरा किया है।

रामलियावाला नन्दघर आंगनबाडी पर बच्चों संग मनाया पतंग महोत्सव

संजीवनी टुडे

भानपुर कलां। रामलियावाला स्थित नन्दघर आंगनबाडी केंद्र पर सोमवार को मकर संक्रांति के उत्सव पर अनिल अग्रवाल फाउंडेशन वेदांता ममता हेल्थ इंस्टीट्यूट फॉर मदर एंड चाइल्ड के संयुक्त तत्वाधान नन्हे मुन्ने बच्चों ने पतंग महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रोग्रामर मैनेजर आरसी जाट ने बताया कि मकर संक्रांति सूर्य के मकर राशि में प्रवेश के समय मनाया जाता है। जनवरी के मध्य में मनाया जाने वाला यह त्योहार आने वाले महीनों में फसल उत्पादन में वृद्धि का प्रतीक होता है। कार्यक्रम के दौरान नंदघर पर बच्चों के द्वारा के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस दौरान बच्चो को पतंग, डोर, फल व तिल के लड्डू भी वितरित किए गए। इस दौरान क्लस्टर सुपरवाइजर मनीषा राजपूत, कार्यकर्ता गुलाब देवी जाट, सहायिका संतोष देवी एवं नंद घर परिक्षेत्र के सदस्य उपस्थित रहे।

सूखा कुँआ बना वार्डवासियों और मूक जानवरों के लिए मौत का कुँआ

कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा, जिम्मेदार लोग नहीं दे रहे कोई ध्यान

संजीवनी टुडे

मालपुरा (टोंक)। मौत के कुएं का खेल तो सबने देखा और सुना होगा। मौत के कुएं के खेल में कलाकारों द्वारा कलाबाजी दिखाई जाती है। लेकिन मालपुरा नगर पालिका के पैरा फ़ेरी क्षेत्र और ग्राम पंचायत बृजलाल नगर के केशव नगर में तिलक ज्ञानपीठ स्कूल जयपुर रोड से महज 50 मीटर की दूरी पर सड़क के बीचों बीच बरसों पुराना कुँआ स्थित है। जो बरसों पहले फसलों की सिंचाई करने के काम आता था। लेकिन आज वर्तमान में यह सूखा पड़ा कुँआ वार्डवासियों और स्कूल जाने वाले नन्हे मुन्ने बच्चों के लिए किसी मौत के कुएं से कम भी नहीं है। अगर इसे मौत का कुँआ भी कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। आए दिन इस कुएं में कोई ना कोई मूक जानवर गिर ही जाता है। कई जानवर तो इसमें गिरकर अपनी जान गंवा बैठे हैं। गनीमत है कि अभी तक कोई जनहानि इस खुले मुंह वाले सूखे कुएं से नहीं हुई है। इसका मतलब यह नहीं कि जनहानि नहीं हो सकती। मौत के कुएं में कलाबाजी दिखाने वाले कलाकारों की तरह ना तो स्कूल जाने वाले मासूम बच्चे कलाबाजी जानते हैं और ना ही वार्डवासी। और ना ही वो मूक जानवर जो आए दिन इस खुले मुंह के सूखे कुएं में गिरकर मर जाते हैं। कॉलोनीवासियों ने बताया कि बरसों पहले यहां खेत हुआ करते थे और फसलें उगा करती थी। लेकिन अब ना तो यहां खेत है और ना ही फसलें उगती है। क्योंकि खेतों की जमीन को बरसों पहले बेचकर कॉलोनी काट दी गई है। अब केवल यहां चारों तरफ मानव बस्ती स्थित है। इस मौत के कुएं को कई बार कॉलोनीवासियों ने मिट्टी से भरना भी चाहा लेकिन कुछ लोग इस कुएं को खातेदारी जमीन का बताकर मालिकाना हक के चलते इसे भरने नही देते। देखा जाए तो अब यह कुँआ किसी काम का भी नहीं रहा। क्योंकि आधा कुँआ तो मिट्टी से भरा हुआ है और ना ही अब इसमें पानी बचा है और ना ही यह पेयजल के उपयोग में लिया जा रहा है। यह सूखा कुँआ केवल और केवल अब अनहोनी दुर्घटनाओं को खुले मुंह से निमंत्रण दे रहा है। शायद ही प्रशासन ने भी सड़क के बीचों बीच स्थित इस कुएं को भरने की कभी कोशिश की हो। बिना ढंके हुए और बिना मुंडेर वाले इस कुएं के कारण अगर भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो जाता है तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? सवाल यह उठता है कि वर्तमान में आबादी क्षेत्र में स्थित इस खुले मुंह वाले सूखे कुंए पर जो व्यक्ति अपना मालिकाना हक जताते है, उन लोगों द्वारा कुएं के मुंह पर जाली क्यों नही लगवाई जाती ? आखिर क्यों नहीं वो लोग इस सूखे कुएं पर मुंडेर बनवाते हैं? कॉलोनीवासियों का कहना है कि रात्रि में कई अनजान राहगीरों इस रास्ते से गुजरते हैं। इस कुंए में अनजान राहगीरों के गिरने का भय बना हुआ रहता है। स्कूल में पढ़ने आने वाले छोटे छोटे बच्चे भी रोजाना इसी रास्ते से होकर स्कूल जाते हैं। अगर भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो जाता है तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी ? प्रशासन की या उन लोगों की जो मालिकाना हक बताकर इस कुएं को भरने नहीं दे रहे है। आखिर कब प्रशासन इस कुंए को लेकर सख्त कदम उठाएगा और कॉलोनीवासियों को राहत प्रदान करेगा ?

महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

संजीवनी टुडे

चौमूं। शहर के मोरीजा रोड स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय, चौमू में प्राचार्य प्रो. राजेंद्र कुमार की अध्यक्षता में महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका प्रो. दीपाली जैन ने बताया कि प्रतियोगिता में छात्राओं ने बड़े उत्साह से भाग लिया। प्रतियोगिता में महिला प्रकोष्ठ सदस्य डॉ. अभिलाषा जैमन, श्रीमती अनीता कुमावात व श्रीमती शाहिना परवीन ने विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया। पोस्टर प्रतियोगिता में कंचन शर्मा व कविता लाखीवाल प्रथम, निशा प्रजापत द्वितीय एवं पायल खारवाल व रेणुका कुमावत तृतीय स्थान पर रही। कचरे से कंचन प्रतियोगिता में कुशु गुर्जर प्रथम, विजेता प्रजापत वअनीशा प्रजापत द्वितीय तथा ममता वर्मा तृतीय स्थान पर रही। नारा लेखन में कंचन शर्मा व पूजा सैनी प्रथम, कुशु गुर्जर द्वितीय व सुमन यादव तृतीय स्थान पर रही। रंगोली प्रतियोगिता में निशा प्रजापत ग्रुप प्रथम, मेघा खांडल ग्रुप द्वितीय स्थान व कोमल यादव ग्रुप तृतीय स्थान पर रहा। मेहंदी प्रतियोगिता में कविता लखीवाल व मनीष मौर्य प्रथम, कंचन शर्मा व निशा प्रजापत द्वितीय तथा लक्ष्मी कुमावत तृतीय स्थान पर रही। निर्णायक मंडल में प्रो. हेमलता अकोदिया, प्रो. सुमन ढाका, शमशेर खान, डॉ प्रीति सिंह, रीना शक्तावत एवं श्रीमती पंकज कुमारी, शिव सैनी रहे।

खटीक समाज का धरना प्रदर्शन, पीड़ित को मिले आर्थिक सहायता

संजीवनी टुडे

जयपुर । कल मंगलवार को अखिल भारतीय खटीक समाज राजस्थान की ओर से करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड में गंभीर घायल हुए हेमराज खटीक को आर्थिक सहायता व सुरक्षा देने व राजसमंद के मोहन लाल खटीक के हत्यारों की जल्द गिरफ्तारी किए जाने की मांग को लेकर शहीद स्मारक, पुलिस आयुक्तालय राजधानी जयपुर पर राष्ट्रीय प्रधान महासचिव सी पी महेंद्रा, प्रदेश अध्यक्ष कांति लाल चंदेल, संघर्ष सीमित संयोजक अमृत लाल सांभरिया के नेतृत्व में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। धरने प्रदर्शन में खटीक समाज के पूर्व प्रदेश महासचिव महावीर बडगुर्जर निवासी मालपुरा ने भाग लेकर पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग करते हुए बताया कि हेमराज खटीक आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति है। उसके तीन बेटियां हैं, जिनको वो मेहनत मजदूरी करके लालन पालन करता था। गोगामेड़ी शूटआउट में जब शूटर सुखदेव सिंह को मारकर भाग रहे थे, तब रास्ते में उन्हे स्कूटी पर सवार हेमराज मिल गया। शूटर हेमराज से स्कूटी लेकर भागना चाह रहे थे लेकीन हेमराज ने स्कूटी नही दी तो शूटरों ने हेमराज को गोली मारी दी। जिससे हेमराज गंभीर घायल हो गया और आज तक सदमे में हैं। जिससे इसके परिवार पर लालन पालन पर संकट आ गया। धरने के माध्यम से सरकार से मांग की गई कि हेमराज खटीक को आर्थिक सहायता व सुरक्षा प्रदान की जाए। साथ ही बड़गुर्जर ने बताया कि कुछ दिनों पूर्व राजसमन्द के मोहन लाल खटीक की अज्ञात लोगों द्वारा हत्या कर दी गई थी। घटना के 20 दिन बीत गए लेकीन अभी तक अपराधी पकड़ में नहीं आए। सरकार से मांग की गई है कि मोहन लाल के हत्यारों को जल्दी से जल्दी गिरफ्तार कर कठोर से कठोर सजा दी जाए। धरने प्रदर्शन में टोंक जिले से महावीर बडगुर्जर, सुरेश परिडवाल, सोनू परिडवाल, मुकेश चंदेल मक्कन परिडवाल सहित कई खटीक समाज के लोग शामिल हुए।

पालिकाध्यक्ष सोनिया सोनी ने पूर्व पालिकाध्यक्ष आशा नामा पर लगाया फर्जी पट्टा बनाने का आरोप

संजीवनी टुडे

मालपुरा (टोंक)। नगर पालिका मालपुरा की वर्तमान पालिकाध्यक्ष सोनिया सोनी ने पूर्व पालिकाध्यक्ष व वर्तमान पालिका पार्षद आशा नामा पर फर्जी पट्टा बनाने का आरोप लगाया है। वर्तमान पालिकाध्यक्ष सोनिया सोनी ने कांग्रेस की पूर्व पालिका अध्यक्ष व वर्तमान पार्षद आशा नामा पर अपने ही ससुर रामलाल नामा पुत्र नंदलाल नामा के जयपुर रोड पर बेस कीमती जमीन का नियमो के विरुद्ध जाकर फ्री होल्ड पट्टा जारी करने का आरोप लगाया है। पालिकाध्यक्ष सोनिया सोनी ने मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार, स्वायत शासन मंत्री, निदेशक स्वायत शासन विभाग जयपुर, जिला कलेक्टर टोंक, उपनिदेशक क्षेत्रीय अजमेर, उपखंड अधिकारी मालपुरा को लिखित में शिकायत पत्र भेजकर जांच की मांग की है। पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी ने बताया कि उक्त भूमि की भूमि शाखा प्रभारी निहाल चंद जैन व रिकॉर्ड प्रभारी राजेंद्र से फाइल मांगी गई तो उन्होंने बताया कि मूल फाइल हमारे पास रिकॉर्ड मे नही है। पालिकाध्यक्ष सोनिया सोनी ने उक्त मामले को गम्भीरता से लेते हुए स्वायत शासन मंत्री व स्वायत शासन विभाग को शिकायत प्रेषित कर जांच की मांग करते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

जल्द करें ये काम, वरना पेंशन राशि का नहीं होगा भुगतान

संजीवनी टुडे

जयपुर। राजस्थान अगर आपने या आपके किसी सम्बन्धी ने पेंशन भौतिक सत्यापन नहीं कराया है तो यह खबर आपके लिए है। पेंशन सत्यापन से शेष रहे पेंशनर्स अपना भौतिक सत्यापन जल्द करावे नहीं तो भौतिक सत्यापन के अभाव में आपकी पेंशन रुक जाएगी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक रविकान्त ने बताया कि कि विभाग द्वारा संचालित एवं राज्य सरकार की स्टेट फ्लैगशिप योजनान्तर्गत सामाजिक सुरक्षा में भौतिक सत्यापन से शेष रहे पेंशनर्स अपना वार्षिक भौतिक सत्यापन शीघ्र करावे। उन्होंने बताया कि पेंशन सत्यापन पोर्टल अभी चालू है तथा कभी भी बंद हो सकता है अतः पेंशनर्स अविलम्ब अपने नजदीकी ई-मित्र कियोस्क पर जाकर अपनी अंगुली की छाप के माध्यम से, पेंशनर विभाग द्वारा जारी मोबाइल एप्प के माध्यम से घर बैठे अपने मोबाइल पर फ़ेस कैप्चर करके, अपने क्षेत्र के पेंशन स्वीकृतकर्ता अधिकारी कार्यालय में सम्पर्क कर पेंशन पीपीओ में जुड़े मोबाइल नम्बर पर ओटीपी प्राप्त करके करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि ई-मित्र प्लस मशीनों पर भी सत्यापन की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध हैं। भौतिक सत्यापन के अभाव में पेंशन राशि का भुगतान नहीं किया जायेगा।

सिने तारिका अमीषा पटेल ने प्रदान किया अनिल लोहाना को सोश्यल अवार्ड

संजीवनी टुडे

जयपुर। युवा उद्यमी व समाजसेवी अनिल लोहाना को समाज सेवा के उत्कृष्ट कार्यों के लिए सोशल अवार्ड से नवाजा गया। लोहाना को यह अवार्ड शुभ वेडिंग की ओर से व इनक्रेडिबल इंडिया के सहयोग से आयोजित टोंक रोड स्थित गठबंधन पैलेस में हुए समारोह बिजनेस कॉन्क्लेव अवार्ड्स-2024 में सिने तारिका अमीषा पटेल ने प्रदान किया। शुभ वेडिंग के डायरेक्टर्स राजन कायस्थ व आरती निर्माण ने बताया कि लोहाना को यह अवार्ड उनके माता-पिता की स्मृति में संचालित श्री नवलराय बूली देवी लोहाना चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से विगत 15 वर्षो से किए जा रहे समाजसेवा के कार्यों के लिए दिया गया। इस मौके पर अवार्ड लेने के बाद लोहाना ने बताया कि दुनिया में दीन-दुखियों की सेवा से बढ़कर और कोई कार्य नहीं है।इसलिए सदैव सभी को निस्वार्थ भाव से सेवा करनी चाहिए। इसके अलावा अवार्ड लेने वालो में अनूप बरतरिया,केसी मालू, सुरजाराम, नेहा छुगानी,अजय अग्रवाल सहित अन्य उद्यमी रहे।इस दौरान बेस्ट अचीवर्स को अलग-अलग कैटेगरी मे अवार्ड दिए गए।

शक्ति वंदन अभियान कार्यशाला 17 जनवरी को, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा पर होगी चर्चा

संजीवनी टुडे

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय में 17 जनवरी को शक्ति वंदन अभियान की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित की जाएगी। कार्यशाला को लेकर अभियान के प्रदेश प्रभारी मोतीलाल मीणा, प्रदेश संयोजक एवं भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महिला मोर्चा पूजा कपिल मिश्रा और सह संयोजक एवं भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष डॉ रक्षा भंडारी भाजपा कार्यालय में मीडिया से रूबरू हुए। भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं अभियान के प्रदेश प्रभारी मोतीलाल मीणा ने कहा कि शक्ति वंदन अभियान के माध्यम से महिलाओं के विकास के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इस अभियान के तहत गांव-गांव जाकर आत्मनिर्भर महिलाओं का सम्मान किया जाएगा। वहीं इस अभियान को लेकर विस्तृत चर्चा के लिए कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला में प्रदेश की 19 सदस्यों वाली टोली, प्रदेश के अभियान प्रभारी, संयोजक, सह संयोजक और महिला मोर्चा के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगी।

अभियान की संयोजक भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महिला मोर्चा पूजा कपिल मिश्रा ने कहा कि शक्ति वंदन अभियान की कार्यशाला बुधवार को सुबह 10 बजे से शुरू होगी। प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यशाला में भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री एवं अभियान की राष्ट्रीय संयोजिका विजया राहटकर, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री किरोडी लाल मीणा, सार्वजनिक निर्माण, महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री डॉ मंजू बाघमार और समापन सत्र में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी विभिन्न सत्रों में उपस्थित रहेंगे। अभियान के तहत प्रदेशभर की महिलाओं से स्वंय सहायता समूह और एनजीओ के माध्यम से संपर्क किया जाएगा। इस अभियान के दौरान केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। वहीं योजनाओं के लाभार्थी महिलाओं से संवाद किया जाएगा।

श्रमिकों एवं असंगठित कामगारों के लिए लाभदायक है ई-श्रम एवं प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना

संजीवनी टुडे

बांदीकुई। असंगठित क्षेत्र में कार्य करने वाले श्रमिकों के लिए राहत की खबर है। ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाने पर असंगठित श्रमिकों को ?2 लाख तक का दुर्घटना बीमा निशुल्क मिलेगा योजना अंतर्गत यदि कोई पंजीकृत श्रमिक दुर्घटना का शिकार होता है तो उसे मृत्यु या स्थाई रूप से शारीरिक विकलांगता का शिकार होने पर ?2 लाख का बीमा मिलेगा साथ ही इसके माध्यम से श्रमिकों को सरकार की अन्य कल्याणकारी एवम लाभकारी योजना का लाभ भी मिलेगा। बता दे कि असंगठित श्रमिक जिनकी आयु 16-59 वर्ष हैं वे मजदूर आते हैं जो आयकर नहीं देते तथा ईएसआई, पीएफ या एनपीएस योजना के सदस्य नहीं है उल्लेखनीय है कि लंबे समय से असंगठित श्रमिकों के लिए विभिन्न सुविधाओं और प्रावधानों की मांग चलती आ रही है इसको लेकर कई संगठन भी सामाजिक रूप से इस पर काम करने में लगे हैं हालांकि सरकार की तरफ से समय-समय पर कई योजनाएं और नवाचार किया जा रहे हैं लेकिन इनका लाभ असंगठित श्रमिकों तक अक्सर पहुंचता ही नहीं है। इसी योजना के साथ

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना

योजना का उद्देश्य भारत सरकार द्वारा असंगठित क्षेत्र के कामगारों को वृद्धावस्था पेंशन सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रारंभ की गई है इस योजना के लिए असंगठित कामगार जैसे रिक्शा चालक, फ़ेरीबाला, लेबर, घरेलू कामगार, दर्जी, पान वाले, छोटी दुकानों वाले या इसी तरह के अन्य कामगार जिनकी आयु 18 से 40 वर्ष एवं मासिक आय 15000 या इससे कम हो पात्र होंगे इस योजना के लिए आधार कार्ड एवं बैंक खाते की आवश्यकता होगी इस योजना में केंद्र सरकार आपके साथ बराबर का योगदान करेगी यह योजना एक अंशदाय पेंशन योजना है जिसके तहत धारकों को 60 वर्ष की आयु से आजीवन भुगतान न्यूनतम ?3000 प्रतिमाह की निश्चित पेंशन मिलेगी। कमलेश कुमार शर्मा जिला प्रबंधक सीएससी एसपीवी (ई.सू.प्रौ.वि.)दौसा (राज.) ने बताया कि ई-श्रम में दौसा जिले में अभी तक 370495 लाभार्थी ओर पीएमएसवाईएम में 3039 पंजीकरण हो चुके हैं। दोनों योजनाओ में पंजीकरण कराने एवम लाभ लेने के लिए असंगठित श्रमिक अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) या ईमित्र पर जाकर ई-श्रम पोर्टल पर और पीएमएसवाईएम पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं ।पंजीकरण करवाने के लिए श्रमिकों और असंगठित कामगारो को आधार कार्ड,मोबाइल नंबर जिस पर ओटीपी भेजा जा सके, बैंक पासबुक सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों को साथ लेकर कॉमन सर्विस सेंटर/ ई मित्र पर जाना होगा।

विस्तारक पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करने के साथ ही सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को लाभार्थियों तक पहुंचाएंगे : सीपी जोशी

संजीवनी टुडे

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने मंगलवार को राजापार्क के भाटिया भवन में भाजपा के दो दिवसीय प्रदेश विस्तारक अभ्यास वर्ग को संबोधित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि शीघ्र ही लाभार्थी संपर्क अभियान शुरू होने वाला है, विस्तारकों को बूथ स्तर तक यह कार्य करना है। साथ ही पार्टी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी इस संपर्क में सम्मिलित होंगे। प्रतिदिन 15 घरों में लाभार्थियों से संपर्क करके आना है। भाजपा सांगठनिक कार्य में विस्तारकों की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण है। विस्तारक पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करने के साथ ही सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को लाभार्थियों तक पहुंचाने का अत्यधिक महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। भाजपा दो सांसदों से आज विश्व की सबसे विशाल संख्या वाले सदस्यों वाली पार्टी बनी है, इसमें संगठन की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस प्रकार देश की जनता के चारों वर्ग गरीब, महिला, युवा, और किसान के कल्याण, उत्थान और प्रगति के लिए काम किया है वह अकल्पनीय है। साढ़े 9 वर्षों में भारत के 25 करोड लोग गरीबी रेखा से बाहर निकल गए, यह केंद्र सरकार के श्रेष्ठ कार्य को दिखाता है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने पांच प्रण लिए, विकसित भारत, गुलामी की मानसिकता से मुक्ति, एकता और एक जुटता, अपने नागरिक कर्तव्यों का पालन करना। हम सभी को इनके पालन की प्रतिज्ञा लेनी है। कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, ऊर्जा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार हीरालाल नागर, प्रदेश महामंत्री मोतीलाल मीणा, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, शश्रवण सिंह बगड़ी, अजयपाल सिंह मंत्री अनंत राम विश्नोई, विस्तारक योजना के प्रदेश संयोजक राजेश गुर्जर सहित प्रदेश के सभी विस्तारकों की सादर उपस्थिति रही।

अनुजा दूध का भंडार पहुंचा अब आपके द्वार, घर बैठे मिलेगा आपको शुद्ध ताजा भैंस का दूध

संजीवनी टुडे

चौमूं। शहर में अनुजा दूध भंडार की एटीएम गाड़ी का पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने फीता काटकर शुभारंभ किया। यह दूध की गाड़ी डोर टू डोर घर जाकर दूध की सप्लाई दी जा सकेगी। वहीं शुद्ध ताजा व किफायती दरों पर मात्र ?65 प्रति लीटर के हिसाब से भैंस का दूध मिल सकेगा। इस अनूठी पहल व नई टेक्नोलॉजी की शुरुआत करने पर लोगों ने अनुजा मिल्क प्रोड्यूसर के माया शर्मा, फाउंडर एंड डायरेक्टर मुकेश शर्मा, टेक्नोलॉजी प्रोवाइडर, भवर लाल चौधरी, सहकर्मी, सुरेश शर्मा, अर्जुन यादव की प्रशंसा की। फाउंडर एंड डायरेक्टर मुकेश शर्मा ने बताया कि दुध के लिए इन मोबाइल नंबर 8104694 87 चौमूं एवं कालाडेरा के लिए 9664219671, 9602872014 एवं शादी पार्टी में दूध बुकिंग के लिए 7300468237 मोबाइल नंबरो पर संपर्क कर सकते हैं। इधर दूध की गाड़ी देखने वालों की जमकर भीड़ देखने को मिली वहीं शुभारंभ के पहले ही दिन दूध की भी जमकर बिक्री हुई।

सशक्त नारी समृद्ध परिवारः माया शर्मा

अनुजा मिल्क प्रोड्यूसर के माया शर्मा ने बताया कि अनुजा मिल्क प्रोड्यूसर की स्थापन 21 अक्टूबर 2021 को नागौर जिले के भदवासी गांव से लगभग 50 महिला सदस्यों के सहयोग से 160 लीटर दूध प्रति दिन से की गई थी। वर्तमान में डेयरी 16 गांवों की लगभग 1500 महिलाएं इस समूह की सदस्य है तथा लगभग 3000 लीटर दूध का संकलन रोज किया जा रहा है तथा मिल्क पुलिंग के लिए डेयरी के 16 सहायक तथा 7 नियमित कर्मचारी कार्यरत हैं। इस संस्था की स्थापना का मूल उद्देश्य महिला सशक्तिकरण के ध्येय की प्राप्ति के लिए की गई है। जिसके माध्यम से पशुपालक महिलों से उनके फार्म में उत्पादित दूध उचित मूल्य पर खरीद कर समय पर दूध का भुगतान करना है इसके लिए डेयरी ने दुग्ध खरीद को पारदर्शी बनाने के लिए प्रत्येक गांव में अत्याधुनिक तकनीक से लैस मशीन लगाई गई है जहा सिर्फ डेयरी की महिला सदस्य अपने फार्म में उत्पादित दूध भरवा सके और अपने दूध का वजन व गुणवत्ता के आधार पर दूध के मूल्य की पर्ची प्राप्त कर सकें व अपना महीनो का हिसाब डेयरी द्वारा प्रदान की मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से कभी भी कही भी देख सके। दूध का भुगतान हर 10 दिन से सीधा उनके बैंक खाते के माध्यम से किया जाता हैं।

डॉ आशुतोष सैनी ने गाल की चमड़ी से नया पेशाब का रास्ता बनाकर मरीज़ को दिया नया जीवनदान

संजीवनी टुडे

चौमूं। शहर के रींगस रोड स्थित सैनी हॉस्पिटल एंड यूरोलॉजी सेंटर के डॉ आशुतोष सैनी यूरोलॉजिस्ट ने बताया कि कुछ महीनों पहले सवाई माधोपुर से एक मरीज़ आया। जिसके पेशाब में रुकावट थी, जाँचो में पता लगा कि उसका पेशाब का रास्ता ख़राब हो चुका था। हालाँकि उसके लिए पहले भी जयपुर में दो बार ऑपरेशन हो चुका था। लेकिन फिर भी वह इस समस्या से जूझ रहा था। डॉ सैनी ने गाल कि अंदर की चमड़ी लेकर एक जटिल ऑपरेशन करके पेशाब के रास्ते को नया बनाया व 20 दिन बाद जब पिशाब कि नलकी निकाली गई तो देखा गया कि मरीज़ एकदम स्वस्थ हो गया है। अब वह खुलकर पेशाब जाने लगा है। इस सफल ऑपरेशन के बाद मरीज़ के परिजन काफ़ी ख़ुश दिखे व डॉ सैनी का धन्यवाद प्रकट किया। डॉ सैनी ने अपनी इस बड़ी सफलता के लिए डॉ बी एस सैनी, डॉ पूजा, डॉ आशीष, मैनेजिंग डायरेक्टर शंकर लाल व हॉस्पिटल के समस्त स्टाफ़ को बधाई दी।

खबरें फटाफट

संघ के सरसंघचालक डॉ. भागवत बुधवार को जयपुर प्रवास पर

संजीवनी टुडे

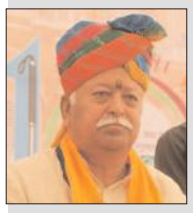

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक डॉक्टर मोहन राव भागवत बुधवार को एक दिवसीय जयपुर एक विवाह समारोह में आएंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जयपुर विभाग प्रचार प्रमुख अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि सरसंघचालक डॉक्टर मोहन राव भागवत बुधवार शाम को ट्रेन द्वारा जयपुर पहुंचेंगे। वे यहां संघ के क्षेत्र संघचालक डॉक्टर रमेशचंद्र अग्रवाल के पुत्र के विवाह समारोह में सम्मलित होंगे। गुरुवार प्रातः डॉ. भगवात जयपुर से प्रस्थान करेंगे।

शीला सुखदेव सिंह गोगामेड़ी सम्भालेगी करणी सेना

संजीवनी टुडे

देशनोक। सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की पत्नी शीला सुखदेव सिंह गोगामेड़ी ने देशनोक पहुँचकर करणी माता मंदिर में विशेष पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया श्री करणी मन्दिर निजी प्रन्यास के उपाध्यक्ष सीता दान चारण ने करणी माता का साहित्य भेंट कर पारम्परिक स्वागत किया मन्दिर दर्शनाथ के बाद देशनोक इकाई के अध्यक्ष विक्रम सिंह सांखला ने अभिनंदन किया वही देशनोक महाविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष विक्रम सिंह चारण ने तलवार भेंट की । इस दौरान उपस्थित श्री करणी सेना के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि माँ करणी के आशीर्वाद से संग़ठन को 22 प्रदेशो में पुनः सुचारू किया जाएगा वही सर्वसम्मति से शीला सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को कार्यवाहक अध्यक्ष मनाया गया।

मंदिर सनातन धर्म की आत्मा यही हमारे प्राणों की संजीवनीः अभय पारीक

संजीवनी टुडे

बीकानेर। अयोध्या में बन रहे भगवान श्री राम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंदिर क्षेत्र या तीर्थ क्षेत्र की साफ सफाई के आह्वान पर भारतीय जनता पार्टी बीकानेर शहर के शिवबाड़ी मण्डल द्वारा मंगलवार को तिलक नगर के पुराने करणी माता के मंदिर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें मंदिर परिसर के अंदर और बाहर साफ सफाई की गई। माता करणी के मंदिर के गर्भ गृह के साथ ही, शिव परिवार एंव भैरू जी के मंदिर की को भी साफ किया गया।मण्डल अध्यक्ष अभय पारीक ने कहा मंदिर सनातन धर्म की आत्मा है और यही हमारे प्राणों में संजीवनी का कार्य करते हैं। इस अवसर पर शिवबाड़ी मण्डल के महामंत्री नरेंद्र सिंह आबड्सर ने मंदिर की महत्वता को बताया। इस अवसर पर मण्डल के पदाधिकारियों के साथ ही स्थानीय निवासियों ओंकार सिंह भाटी,राजेन्द्र सिंह राठौड़, चेन सिंह भाटी, भरत सिंह चारण, पुजारी नवरत्न उपाध्याय,महावीर प्रसाद, जेठू पंचारिया आदि ने सहयोग किया।

शासन उप सचिव विकास राजपुरोहित बने विशेषाधिकारी मुख्यमंत्री कार्यालय

संजीवनी टुडे

बीकानेर। मंगलवार को राज्यपाल की आज्ञा से संयुक्त शासन सचिव कनिष्क कटारिया ने विकास राजपुरोहित आर ए एस शासन उप सचिव कार्मिक (ख) विभाग जयपुर का स्थानातरण विशेषाधिकारी मुख्यमंत्री कार्यालय, राजस्थान जयपुर के लिए रिक्त पद पर किया गया है।

विप्र सेना के प्रदेश मंत्री चैन सिंह राजपुरोहित ने बताया की विकास राजपुरोहित के ओसडी मुख्यमंत्री राजस्थान बनने पर विप्र सेना ने खुशी जाहिर की एवम विप्र समाज के संगठनों ने राजस्थान सरकार का आभार जताया। ओसडी बनने पर खुशी जाहिर करने में भाजपा नेता विक्रम सिंह राजपुरोहित, विप्र सेना राष्ट्रीय सलाहकार गोपाल जोशी , प्रदेश प्रवक्ता भेरू सिंह राजपुरोहित , संभाग प्रभारी पवन सारस्वत, एडवोकेट दलीप सिंह राजपुरोहित , प्रदेश उपाध्यक्ष जैना महाराज, प्रदेश मंत्री रविंद्र जाजड़ा , जिलाध्यश पवन कुमार जोशी , सहित सैकड़ों राजपुरोहित विप्र समाज ने खुशी जाहिर की।

कुण्डलपुर के बडे बाबा आदिनाथ भगवान के अभिषेक सहित अहिंसा शाकाहार एवं भगवान महावीर के सिद्धांतों का करेगें प्रचार-प्रसार धार्मिक यात्रा दल

संजीवनी टुडे

जयपुर। जैन युवा एवं महिला संगठनों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के बैनर तले धार्मिक यात्रा दल भगवान आदिनाथ के जयकारों के साथ दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से मध्य प्रदेश के कुण्डलपुर के लिए रवाना हुआ। युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि दयोदय एक्सप्रेस से रवाना हुए इस यात्रा दल को समाज के गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने शुभकामनाएं देकर रवाना किया। यात्रा दल के संयोजक रमेश बाकलीवाल एवं मनोज सोगानी पहाडी वाले के मुताबिक यात्रा दल जयपुर से रवाना होकर दमोह पहुंचेगा जहां से बुधवार को बसों द्वारा सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर पहुंचेगा जहां मूलनायक भगवान आदिनाथ बडे बाबा एवं मन्दिर दर्शन करते हुए मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक करेगें। तत्पश्चात विश्व में अमन चैन एवं सुख शांति की कामना के साथ शांतिधारा करेगें। सहसंयोजक चेतन जैन निमोडिया एवं नरेश बाकलीवाल ने बताया कि

यात्रा दल के सदस्य अष्ट द्रव्य से पूजा-अर्चना करेगें। यात्रा के दौरान सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर, अतिशय क्षेत्र गढ़ा कोटा में मंदिरों के दर्शन लाभ एवं क्षेत्र की वन्दना करेगें। अतिशय क्षेत्र पथरिया में आचार्य विराग सागर महाराज के मुनिसंघो के दर्शन कर आरती का पुण्यार्जन करेगें। दमोह मंदिरों के दर्शन लाभ प्राप्त करेगें। यात्रा दल यात्रा के दौरान भगवान महावीर के सिद्धांत जीओ और जीने दो सहित अहिंसा, शाकाहार का प्रचार-प्रसार करेगा। यात्रा दल में प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा,रमेश बाकलीवाल, मनोज सोगानी पहाडी वाले, नरेश बाकलीवाल, सौरभ जैन, पूरण गंगवाल, महेश बाकलीवाल, रवि जैन, विनोद सेठी, दिनेश बाकलीवाल, तेजेन्द्र सोगानी, मनीष सेठी सहित बडी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए।

3 दिन में 35 गांवों का सफर करेंगे पर्यावरण प्रेमी, ओरण-गोचर संकल्प यात्रा के तहत लोगों को करेंगे जागरूक

संजीवनी टुडे

जैसलमेर। जैसलमेर के 3 पर्यावरण प्रेमियों ने लोगों को जागरूक करने के लिए रामगढ़ इलाके में ओरण संकल्प यात्रा का मंगलवार को आगाज किया। इस यात्रा के तहत तीनों पर्यावरण प्रेमी रामगढ़ इलाके के 30 से 35 गांवों का दौरा करेंगे और लोगों को पर्यावरण को लेकर ओरण गोचर बचाने के लिए जागरूक करने का काम करेंगे। पर्यावरण प्रेमी सुमेर सिंह भाटी ने बताया कि जैसलमेर में पिछले कुछ वर्षों से चल रही ओरण संरक्षण मुहिम के तहत टीम ओरण द्वारा मंगलवार को मोकला गांव से 3 दिवसीय ओरण संकल्प यात्रा शुरू की गई है। इस यात्रा में रामगढ़ क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जाकर ओरण संरक्षण का महत्व व उन्हें संरक्षित रखने का संकल्प दिलवाया जाएगा। ओरण संरक्षण संकल्प यात्रा के पहले दिन यात्रा मोकला, भादासर, गहलोतो की ढाणी, पारेवर, खींवसर, खियां, पनराजसर, राजसिंह की ढाणी, सुल्ताना, अर्जुना गांव पहुंची। इस यात्रा में 3 दिन के लिए ओरण टीम सदस्य सुमेर सिंह भाटी सांवता,

भोपाल सिंह भाटी झलोडा व कुन्दन सिंह भाटी मोकला साथ रहे। सुमेर सिंह ने बताया कि हम जैसलमेर में ओरण बचाने के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं। जैसलमेर कि हजारों बीघा ओरण कि जमीन को हमने राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करवाया है और आगे भी बची हुई ज़मीनों को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करवाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य है कि लोग खुद जागरूक होकर आगे आए और ओरण की जमीन को बचाने के लिए संघर्ष करे।

व्यापार मंडल की बैठकः निर्यातकों के हित में सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेगी राजस्थान सरकारः राठौड़

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। नई दिल्ली के भारत मंडपम में मंगलवार को केन्द्रीय उद्योग और वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में व्यापार मंडल की बैठक हुई। व्यापार मंडल की बैठक में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए राजस्थान के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि केंद्रीय स्तर पर ऐसी बैठकों से राज्यों और सभी संबंधित स्टेकहोल्डरों को अपनी बात रखने का एक मंच प्राप्त होता है, जिससे निर्यात और व्यापार को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार निर्यातकों के साथ सकारात्मक सहयोग बनाकर उस दिशा में आगे बढ़ाने का हर संभव प्रयास करेगी। श्री राठौड़ ने कहा की व्यापार मंडल की बैठक में देश की आर्थिक प्रगति को तेजी देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आर्थिक लक्ष्यों को कैसे पूरा किया जाए उस पर सभी स्टेकहोल्डर, ट्रेड एसोसिएशन से चर्चा करके एक दिशा में काम करने के

लिए विचार- विमर्श हुआ है। श्री राठौड़ ने कहा कि राज्यों के लिहाज से ये बैठक बहुत ही महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि राज्यों को किस दिशा के काम करना है, केंद्र सरकार किस दिशा में समर्थन देगी इस बैठक से ये हमें पता चला है। उन्होंने कहा कि हम 'ओपन टू बिज़नेस' है, राजस्थान में एक्सपोर्टर्स को और अधिक समर्थन मिले, हर तरह से प्रदेश में व्यापार को आगे बढ़ाया जा सके, उस तरह से हमारी सरकार में पॉलिसी बनाई जा रही है। बैठक में राज्यों के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रीयों सहित वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। राजस्थान सरकार में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री अजिताभ शर्मा और आयुक्त, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, श्री हिमांशु गुप्ता भी शामिल हुए।

पुलिस थाना सांकड़ा की बड़ी कार्यवाही, संगठित अपराध के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए दो शातिर मुल्जिमान गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

जैसलमेर। जिला पुलिस कप्तान विकास सांगवान के आदेशानुसार संगठित अपराधियों की धरपकड हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पोकरण गोपालसिंह भाटी के निर्देशन में वृताधिकारी वृत पोकरण कैलाश विश्नोई के सुपरविजन में आदेश कुमार उनि थानाधिकारी पुलिस थाना सांकड़ा के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर टीम द्वारा संगठित अपराधियों की धरपकड़ करते हुए दो शातिर मुल्जिमान नरपतसिह पुत्र जुझारसिह जाति राजपुत उम्र 24 साल निवासी खेलाणा पुलिस थाना सांकडा व तनेरावसिह पुत्र चन्दनसिह जाति राजपुत उम्र 20 साल निवासी राजमथाई पुलिस थाना फलुसण्ड को दस्तयाब कर गिरफतार किया गया। जिनसे विस्तृत पूछताछ की गई तो निम्न वारदातें करना स्वीकार किया हैं।

आरोपी नरपतसिह द्वारा स्वीकार की गई वारदातें

आज से करीब 9 माह पूर्व अपने साथियों के साथ देवीकोट के आगे कीता रोड पर एक टयुबेल से 4 बोरी जीरा चोरी करना। आज से करीब 8 माह पूर्व अपने साथियों के साथ फलोदी शहर में सोनार की गाडी तोडकर सोनार के साथ लूट करना आज से करीब 8 माह पूर्व बनाड जोधपुर में एक ईमित्र संचालक को घर जाते समय उसको रोककर रुपयो से भरा बैग लुट करना।

भाजपा नेताओ ने मंदिर में चलाया स्वच्छता अभियान

संजीवनी टुडे

बीकानेर। 22 जनवरी को रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा से पहले भाजपा बीकानेर द्वारा सभी मंदिरों की साफ सफाई अभियान के तहत आज अभियान के संयोजक विजय उपाध्याय की अगुवाई में आज पुगल रोड पर पंच मंदिर में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा साफ सफाई अभियान चलाया गया और मंदिर को झाडू लगाकर साफ कर आने वाली 22 तारीख को भगवान श्री राम की अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा होगी उसे दिन पूरे मंदिर में लाइट लगाकर 101 दीपक जलाकर प्रसाद वितरण किया जाएगा आज के सफाई अभियान में सवाई सिंह कुमावत, जितेंद्र गहलोत, किशन, टेकचंद गहलोत, घनश्याम लोहिया आदि कार्यकर्ताओ ने सफाई अभियान चलाया।

मिलावटखोरों पर सख्त हुआ फूड सेफ्टी विभाग, नेहड़ाई और देवा गांव में मिठाई व किराना दुकान से लिए 8 फूड प्रोडक्ट के सैंपल

संजीवनी टुडे

जैसलमेर। जैसलमेर की खाद्य सुरक्षा टीम ने मंगलवार को शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत नेहड़ाई और देवा गांव में मिठाई और किराना दुकानों से सैंपल लेने की कार्रवाई की। फूड सेफ्टी ऑफिसर किशनाराम कड़वासरा के नेतृत्व में टीम ने 8 फूड प्रोडक्ट के सैंपल लिए। सभी सैंपल को जांच के लिए जोधपुर स्थित लैब भेजा गया, जहां से इनकी रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फूड सेफ्टी ऑफिसर किशनाराम ने बताया कि मिठाई और किराना दुकानों से पेड़ा, नमकीन, मिठाई, भगर, दही और घी के 8 सैंपल लिए। इसके साथ ही अवधीपार दूध और यूज्ड तेल को नष्ट करवाया गया।

गौरतलब है कि प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान के आयुक्त शिवप्रकाश नकाते के निर्देशानुसार प्रदेश भर में मिलावटखोरी रोकने के लिए खाद्य पदार्थों के सैंपल भरे जा रहे है। किशनाराम ने बताया कि एख्क्र डॉ. बीएल बुनकर के मार्गदर्शन में शुद्ध के

लिए युद्ध अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा मंगलवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी किशनाराम कड़वासरा के नेतृत्व में जैसलमेर के ग्रामीणों इलाकों का दौरा किया गया। इस दौरान नेहड़ाई और देवा गांव के इलाकों में मिठाइयों और किरानों की दुकानों का निरीक्षण किया गया। इन दुकानों पर कार्रवाई करते हुए फूड प्रोडक्ट पेड़ा, नमकीन, मिठाई, भगर, दही और घी के कुल 8 नमूनों का क्वट्ट एक्ट के तहत सैंपल लिया गया। इस दौरान अवधिपार दूध और यूज्ड तेल का मौके पर नष्टीकरण करवाया गया। कड़वासरा ने बताया कि राज्य सरकार की योजना शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत विभिन्न प्रतिष्ठानों से मिठाई, घी, तेल और दूध पदार्थों का लगातार नमूनीकरण किया जा रहा है, और मिलावटखोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

गीदड़ ने 3 भेड़ों का किया शिकार 1 घायल बकरे को छोड़कर भागा, वन विभाग कर रहा तलाश

संजीवनी टुडे

जैसलमेर। जैसलमेर के ग्रामीण इलाकों में जंगली गीदड़ का आतंक जारी है। एक बार फिर गीदड़ ने 3 पालतू भेड़ों का शिकार कर उनको मारा। इसके साथ ही एक बकरे को भी घायल किया। वन्यजीव बाहुल्य चांधन इलाके के जेसूराणा गांव में पशुपालक अलन खान और गेरे खान की भेड़ों का शिकार करने से पशुपालकों में गुस्सा है। इलाके में गीदड़ द्वारा लगातार पशुओं का शिकार करने की घटनाओं के बाद वन विभाग की टीम ने भी मौके का मौका मुआयना किया और जंगली गीदड़ की तलाश जारी है। पशुपालक मारू खान ने बताया कि गीदड़ों द्वारा इलाके में पशुओं के शिकार की घटनाएं लगातार बढ़ रही है। इसको देखते हुए पशुपालक भी परेशान है और जंगली जानवर की तलाश कर रहे हैं। मारू खान ने बताया कि वन विभाग कि टीम भी इलाके में आई थी और पंजों के निशान के आधार पर गीदड़ की तलाश की जा रही है। पशुपालक मारू खान ने बताया कि चांधन इलाका पशुओं का बहुत बड़ा इलाका है। इस इलाके में जंगली जानवरों का भी आतंक हैं।

पिछले 1 महीने में गांव की भेड़-बकरिया बाड़े में होती तो कोई जानवर रात में आकर उनको मार देता। इस तरह की बढ़ती घटनाओं से ग्रामीण और पशुपालक चिंता में थे। ग्रामीणों ने जानवर के पंजों के निशान से ज्ञात किया कि वो गीदड़ है। गीदड़ के हमलों से ग्रामीणों ने पहरा भी बैठाया मगर पशुओं के शिकार की घटनाएं कम नहीं हुई। जंगल वाले इलाके में और भी गीदड़ है। इनका एक झुंड है जिनमें 8 से 10 गीदड़ हैं। ये गीदड़ रात को गांव में आते हैं और बाड़े में बंधी भेड़-बकरियों को अपना शिकार बनाते हैं। भेरु सिंह ने बताया कि अब तक 50 से भी ज्यादा पशुओं का शिकार ये गीदड़ कर चुके है। वन विभाग के अधिकारी आशुतोष ओझा ने बताया कि जैसलमेर में कई वन्य जीव हैं। इनमें गीदड़ भी है। गीदड़ को जेकाल भी कहते हैं। ये भेड़िये या कुत्ते की जाति का एक जानवर है जो लोमड़ी से मिलता जुलता होता है। ये उजाड़ स्थानों और जंगलों में रहता है। गीदड़ की लंबाई 60-75 सेंटीमीटर, कंधे तक की ऊंचाई 38-43 सेंटीमीटर, और वजन लगभग 8-11 किलो होता है। गीदड़ गांवों के पास आम तौर पर दिखाई देता है। गीदड़ की त्वचा पीलापन लिए व भूरी होती है। गीदड़ ज़्यादातर अकेला रहता है पर कभी-कभी झुंडों में नजर आता है। इसके सूंघने की शक्ति प्रबल होती है। ये हिरणों, पक्षियों और चूहों का शिकार भी करता है।

अतिक्रमण को लेकर नगर परिषद हुई सख्त, नगरपरिषद ने शहर के मुख्य बाजार से हटाए अतिक्रमण

संजीवनी टुडे

जैसलमेर। जैसलमेर में जहां पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा माह का आगाज किया गया है। ऐसे में जैसलमेर नगर परिषद भी अलर्ट मोड पर है और नगर परिषद द्वारा शहर की मुख्य बाजार में बढ़ रहे अवैध अतिक्रमणों को देखते हुए मंगलवार को शहर के पुराना ग्रामीण बस स्टैंड,अमरसागर प्रोल, हनुमान चौराहा पर नगरपरिषद द्वारा कार्यवाही करते हुए अवैध अतिक्रमण हटाए। नगरपरिषद आरओ पवन कुमार ने बताया कि शहर के ग्रामीण बस स्टैंड,अमरसागर प्रोल, हनुमान चौराहा पर दुकानदारों द्वारा अपनी दुकानो के आगे अस्थाई अतिक्रमण किए गए थे। जिससे राह चलते लोगों को काफी दिक्कतो का सामना करना पड़ता था जिसके बाद नगर परिषद व पुलिस विभाग के सयुक्त तत्वाधान में आज कार्रवाई करते हुए सड़क के ऊपर किए गए अस्थाई अतिक्रमणो,जिसमे टेबल, ठेले, टीन सेट,लोहे के होर्डिंग बोर्ड, प्लास्टिक आईटम इत्यादि को हटाया गया वहीं दुकानदारों को निर्देश भी दिए गए कि वे दोबारा अतिक्रमण न करें अन्यथा बड़ी कार्रवाई की जाएगी और जुर्माना भी लगाया जाएगा। शहर कोतवाल सत्यप्रकाश विश्नोई ने बताया कि जैसलमेर में मंगलवार सुबह से नगरपरिषद ने फुटपाथ और दुकानों के बाहर सामान रखकर अतिक्रमण करने वालों पर सख्त कार्रवाई की गई। इस दौरान उनके सामान को जब्त करने के साथ साथ जुर्माना काटने की कार्रवाई भी की गई। मंगलवार सुबह से शहर के ग्रामीण बस स्टैंड, अमरसागर प्रोल, हनुमान चौराहा पर दुकानदारों द्वारा अपनी दुकानों के आगे अस्थाई अतिक्रमण किए गए थे। जिससे राह चलते लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

सड़क सुरक्षा महीने में परिवहन विभाग द्वारा पर्चे का वितरण

संजीवनी टुडे

असम। देश भर में सड़क सुरक्षा माह शुरू हो गया है। इसे देखते हुए कामरूप जिला परिवहन पदाधिकारी कार्यालय की ओर से सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम भी लागू किए गए हैं। 15 जनवरी को भोगली बिहू के दिन कामरूप जिले के नवनियुक्त परिवहन पदाधिकारी मनोज चौधरी ने सड़क सुरक्षा माह के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। सड़क सुरक्षा के जानकारी देते हुए परिवहन अधिकारी ने वाहन चालकों को पर्चे बांटे। इस पैम्फलेट में परिवहन विभाग ने नागरिकों के जान-माल की सुरक्षा के हित में पांच सूत्र सुझाए हैं। पंचसूत्रों के अनुसार बहुत तेज गति से वाहन न चलाएं। नशे की हालत में वाहन न चलाएं। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न

करें। वाहन चलाते समय सीटबेल्ट का प्रयोग करें। साथ ही दोपहिया वाहन सवार आई, एस, आई, स्टैम्प वाले हेलमेट का इस्तेमाल करेंगे। ऐसी कई सड़क सुरक्षा सम्बन्धित परामर्श वाले पैम्फलेट, सड़क सुरक्षा महीने के दौरान कामरूप जिला परिवहन विभाग ने इसे चालकों के बीच वितरित किया। यह पता चला है कि कामरूप जिला परिवहन विभाग पूरे एक महीने के लिए विभिन्न कार्यक्रम करके सड़क सुरक्षा माह मनाएगा।

अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई जारीः दो ट्रैक्टर- ट्राली अवैध चेजा पत्थर परिवहन करते ज़ब्त

संजीवनी टुडे

फलोदी । जिले में अवैध खनन पर लगाम लगाने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस तथा खान विभाग के द्वारा संयुक्त अभियान के अंतर्गत मंगलवार को जांबा पुलिस और खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अवैध चेजा पत्थर से भरे दो ट्रैक्ट -ट्राली को जब्त किया है.जिला कलेक्टर हरजीलाल अटल ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले में सोमवार से अवैध खनन व परिवहन के खिलाफ सघन अभियान चलाया जा रहा है। सहायक खनिज अभियंता श्री राकेश कुमार ने बताया कि आज करीब 12 टन चेजा पत्थर का अवैध परिवहन करते हुए दो टैक्टर ट्राली को जाम्बा पुलिस के साथ संयुक्त कार्यवाही कर जब्त किए गये।

जिला पुलिस की अवैध खनन / निर्गमन /भण्डारण के विरुद्ध संयुक्त कार्यवाही

संजीवनी टुडे

जैसलमेर। माननीय मुख्यमंत्री महोदय राजस्थान सरकार की अध्यक्षता में अवैध खनन / निर्गमन /भण्डारण के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही किये जाने निर्देशों की पालना में पुलिस मुख्यालय राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार दिनांक 15.01.2024 से 31.01.2024 तक पुलिस एवं खनन विभाग के संयुक्त अभियान के दौरान जिला पुलिस अधीक्षक, जैसलमेर विकास सांगवान के आदेशानुसार समस्त वृताधिकारीगण एवं थानाधिकारीगण को अपने अपने हल्का क्षेत्र में संबंधित विभाग के साथ सामंजस्य स्थापित कर अवैध खनन / निर्गमन / भण्डारण के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए जाकर लगातार मोनिटरिंग की गई। निर्देशों की पालना में दिनांक 15.01.2024 को जिला पुलिस जैसलमेर द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए 01 हिटाची मशीन, 03 ट्रोला अवैध पत्थर एवं मुरड़ा से भरे हुए व 05 ट्रेक्टर ट्रोली अवैध बजरी व पत्थर से भरे हुए जब्त किए गए।

झोटवाड़ा विधानसभा वार्ड 48 में अयोध्या में राम मंदिर के लिए किया हनुमान चालीसा पाठ

संजीवनी टुडे

जयपुर। झोटवाड़ा विधानसभा वार्ड 48 में उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के सानिध्य में पार्षद कुमकुम शक्तिसिंह मानपुरा और वार्ड वासियों द्वारा अमरनाथ मंदिर अमर नगर सी, नीलकंठ महादेव मंदिर तीज़ा नगर, भोमया जी मंदिर जनक विहार, चमत्कारेसवर महादेव मंदिर इंजीनियर्स कॉलोनी, मंगल नगर महादेव मंदिर, संस्कार विहार दक्षिण मुखी बालाजी मंदिर, चामुंडा माता मंदिर अमृत नगर इन सभी मंदिरों में 22 तारीख़ को अयोध्या के अंदर होने वाली भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा पर आम जनता के अन्दर जागरूकता को लेकर हनुमान चालीसा के पाठ किए गए इस मोके पर उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह ने कहा कि इस दिन को एक उत्सव की तरह मनाओ दीपावली के त्योहार की तरह मनाए जगदीश सिंह सावली,मदन सिंह बेरी,विनोद महला,महेंद्र सिंह,राजाराम सिंह, अशोक यादव,अजय चौहान,नंद सिंह राणावत, हितेश जितेन्द्र सिंह,शिव सिंह,शर्मा,कल्याण सिंह, हरीश शर्मा,नरेंद्र सिंह आकोदा।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

संघ को मानवता की दृष्टि से समझे

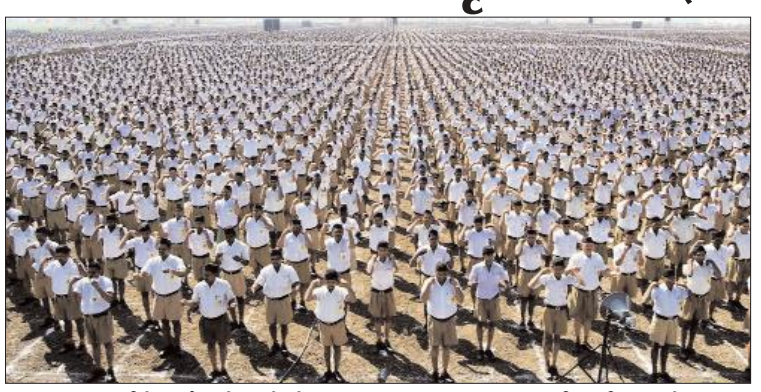

दक्षिण दिल्ली के जसोला में डॉ. हेडगेवार स्मारक न्यास एवं भगवान महावीर रिलीफ फाउंडेशन ट्रस्ट के संयुक्त प्रयासों से प्रारंभ हुए मेडी-डायलिसिस सेंटर का उद्घाटन करते हुए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सर संघचालक श्री मोहन भागवत ने भारत की समृद्ध संस्कृति एवं आध्यात्मिक जीवन शैली से न केवल नया भारत बल्कि दुनिया को उन्नत तरीके से निर्मित करने का संकल्प व्यक्त किया। संघ की स्थापना के शताब्दी दशक में दुनिया के सबसे बड़े संगठन के प्रमुख ने जिस सरलता-सहजता से भारत की माटी की विशेषताओं का वर्णन किया, वह एक विरल एवं अनूठी घटना कहीं जा सकती है। संघ को संघ की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता की दृष्टि से समझने के लिये यह अवसर यादगार एवं अविस्मरणीय बना। भारत कोई भूमि का टुकड़ा या भूगोल का नक्शा नहीं है वरन् भारत एक जीवन दर्शन है, जीवंत संस्कृति है, वसुधैव कुटुम्बकम्, सर्वे भवंतु सुखिनः और जीयो और जीने दो का अमर संदेश है। अब हमारी पहचान किसी जाति, किसी पंथ या किसी धर्म के आधार पर नहीं वरन् भारतीयता के आधार पर होनी चाहिए। हमारा एक ही लक्ष्य हो- मैं अच्छा इंसान बनूंगा। हर अच्छा इंसान अपने आप में जीता-जागता भारत है। इसी सोच से जुड़ा है संघ का हिंदुत्व और हिंदू राष्ट्र का लक्ष्य। हिंदुत्व और हिंदू राष्ट्र इसी मूल सोच का विस्तार है, जिसके आधार पर विश्व के सबसे प्राचीन राष्ट्र के रूप में भारत की अलग पहचान बनी। जो सबके सुख के लिए अपने सुख को तिलांजलि दे सकता है। इस सृष्टि में जितने भी जीव-अजीव हैं, सबमें हम हैं और हममें सब हैं। यानी हम सब एक दूसरे में समाए हुए एक ही आत्मतत्व के अंग हैं। इसलिए किसी के बुरे की कामना वस्तुतः अपने ही लिए बुरे की कामना है।

जैन, मुस्लिम, सिख, ईसाई रूपी नदियों से मिलकर बना भारत महासागर है। ये सारे धर्म ठीक वैसे ही है जैसे बगिया में खिले हुए अलग-अलग तरह के फूल जो बगिया की शोभा को घटाते नहीं वरन् बढ़ाते हैं। हम सभी धर्मों का एवं सभी धर्म के महापुरुषों का सम्मान करना सीखें। हिंदुत्व की इस व्यापक अवधारणा पर आधारित संघ अपना लक्ष्य भारत को ऐसा ही हिंदू राष्ट्र बनाना है, जो इस सभ्यता और संस्कृति को समृद्धि देने का माध्यम बने। इसका अर्थ है कि कोई किसी मजहब को मानता हो, किसी का रहन-सहन, वेश, भाषा, पूजा पद्धति कुछ भी हो, सब एक ही तत्व के अंग हैं, सब भारतीयता के अंग है। इसीलिए संघ ने समाज के हर क्षेत्र में संगठन खड़े किए, करीब 50 उप-संगठनों के साथ न केवल शिक्षा, संस्कार निर्माण बल्कि सेवा के विविध उपक्रम संचालित कर रहा है। लगभग सौ वर्ष पहले नागपुर के एक छोटे से मैदान से कुछ गिनती के लोगों के साथ जब डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने संघ की शाखा आरंभ की तो उस समय आज के इतने विराट स्वरूप की कल्पना उन्होंने नहीं की थी। लेकिन पवित्र उद्देश्यों के साथ प्रारंभ हुआ यह संगठन अनेक बाधाओं एवं प्रतिबंधों के बावजूद आज एक वटवृक्ष का रूप ले चुका है, जिस पर न केवल भारत की बल्कि दुनिया की नजरे टिकी है, चहुं ओर से एक स्वर सुनाई दे रहा है कि संघ ही नई दुनिया निर्मित करने में सक्षम है।

संघ अगले 100 वर्षों में भारतीय या हिंदुत्व दृष्टि के अनुरूप विश्व को सुविधावाद से संयम, हिंसा से अहिंसा, नफरत और वैरभाव से प्रेम की ओर ले जाकर सह-जीवन और साझेदारी की विश्व व्यवस्था कायम करने की भूमिका निभाना चाहता है। विश्व सभ्यतागत संकट का शिकार है। इसमें बदलाव लाने की शक्ति हिंदू दर्शन में है। मोहन भागवत कहते हैं कि हर व्यक्ति के पास सब कुछ नहीं हो सकता लेकिन सबको मिला दें तो सभी के लिए बहुत कुछ हो सकता है। यह प्राचीन भारत के सहकारी जीवन दर्शन का नया स्वरूप है। जातिवाद, अस्पृश्यता, दहेज, लिंगभेद और राजनीतिक वैरभाव इसमें मुख्य बाधाएं हैं। संघ यह मानता है कि हिंदू सभ्यता में जातिभेद, लिंग या किसी स्तर पर असमानता का कोई स्थान नहीं। इसे व्यवहार में उतारने के लिए सामाजिक परिवर्तन का अभियान कैसे चले, इस पर विचार करना चाहिए।

अस्तित्व को पहचानने, दूसरे अस्तित्वों से जुड़ने, राष्ट्रीय पहचान बनाने और अपने अस्तित्व को राष्ट्र एवं समाज के लिये उपयोगी बनाने के लिये मोहन भागवतजी का जसोला-उद्बोधन संघ के दृष्टिकोण से अवगत कराने का एक सशक्त माध्यम बना है। सेवा एवं परोपकारी गतिविधियों में संघ की सकारात्मक भूमिका को भी प्रभावी ढ़ंग से प्रस्तुति देने के साथ-साथ यह एक दस्तक है, एक आह्वान है जिससे न केवल सशक्त हिन्दुत्वमय भारत का निर्माण होगा, बल्कि इस अनूठे काम में लगे संघ, सरकार एवं सकारात्मक शक्तियों को लेकर बनी भ्रांतियों एवं गलतफहमियों के निराकरण का वातावरण भी बनेगा। राष्ट्रीयता, सामाजिकता एवं सेवामूलक प्रवृत्तियों से ओतप्रोत संकल्पों के इस उद्बोधन की ध्वनि-तरंगों की अनूठी दिव्यता ने समूचे राष्ट्र को अभिप्रेरित किया। विशेषतः मोहन भागवत का यह विश्वास सामने आया कि जो सपने अब तक अधूरे हैं, वे भी पूरे होंगे। कैसे होंगे? इसकी प्रक्रिया भीतर-ही-भीतर चलती रहती है। एक दिन आता है, सपना सच बन जाता है और उसकी निष्पत्ति सामने आती है मेडी-डायलिसिस सेंटर जैसी सेवामूलक ईकाईयों के रूप में। संघ के सपनों का समाज बनना निश्चित ही असंख्य कार्यकर्ताओं को आत्मतोष देने वाला है। भागवत ने कहा कि हिन्दू संस्कृति है दर्शन है।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

इमरान भारत की छोड़ अपने देशवासियों की चिंता करें

विचार बिन्दु

दरअसल दोनों देश कभी एक ही थे इसलिये दोनों ही देशों की तर्ज़-ए-सियासत भी एक जैसी ही है। दोनों ही देशों की सरकारों को जब जनता का ध्यान जनसरोकार से जुड़े मुद्दों से भटकाना होता है उस समय दोनों ही देश एक दूसरे पर 'अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव व ज़ुल्म' का मुद्दा उछालने लगते हैं। कश्मीर को भी केंद्र में रखकर दोनों ही देश अपने अपने देशवासियों के बीच 'राष्ट्रवाद' की ज्योत जलाने लगते हैं। मँहगाई व बेरोज़गारी दोनों ही देशों की सरकारों के संभाले नहीं संभल रहे हैं।

तनवीर जाफ़री

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान ख़ान ने पिछले दिनों ट्यूटर के माध्यम से यह चिंता ज़ाहिर की कि- 'भारत में अल्पसंख्यकों को अतिवादी समूह निशाना बना रहे हैं और इस तरह का एजेंडा क्षेत्रीय शांति के लिए एक वास्तविक और वर्तमान ख़तरा है। उन्होंने यह आरोप दिसंबर में हरिद्वार में हुई कथित धर्म संसद के दौरान कुछ कथित संतों द्वारा मुसलमानों के ख़िलाफ़ अपमानजनक व भड़काऊ भाषण दिए जाने के सन्दर्भ में लगाये। इमरान ख़ान ने यह भी पूछा कि क्या भारतीय जनता पार्टी की सरकार भारत में अल्पसंख्यकों के सामूहिक संहार की मांग का समर्थन करती है, जिस देश में 20 करोड़ से अधिक मुसलमान रहते हैं ? उन्होंने कहा कि यही समय है जब अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इसका संज्ञान लेना चाहिए और कार्रवाई करनी चाहिए। इसके पूर्व भी गत माह पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने भारत के अधिकारी को पेश होने के लिए कहा था और हरिद्वार की कथित धर्म संसद में दिए गए भड़काऊ भाषणों को लेकर अपनी आपत्ति व्यक्त की थी। उस समय भी पाकिस्तान ने भारतीय पक्ष से कहा था कि कथित भड़काऊ भाषणों को नागरिक समाज गंभीर चिंता के साथ देख रहा है।

भारतीय मुसलमानों को लेकर पाक प्रधानमंत्री इमरान ख़ान द्वारा व्यक्त की जाने वाली 'कथित चिंता' कई तरह के सवालों को जन्म देती है। पहला तो यह कि क्या 'पाकिस्तान जैसे देश' के प्रधानमंत्री को नैतिकता के आधार पर यह हक़ पहुँचता है कि वे भारतीय मुसलमानों के प्रति अपनी चिंता जतायें ? स्वयं पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों का क्या हाल है यह भी दुनिया से छुपा नहीं है। पाकिस्तान में तो हरिद्वार की धर्म संसद की तरह आये दिन किसी भी वर्ग अथवा विचारों की भीड़ खड़ी होकर किसी भी समुदाय को ललकारने लगती है। उन्हें नेस्त-ो-नाबूद करने की बात करती रहती है। आये दिन अल्पसंख्यक समाज की किसी लड़की के अपहरण,उसका जबरन धर्मपरिवर्तन कर विवाह करने जैसी ख़बरें आती रहती हैं। इसी पाकिस्तान में केवल मंदिरों,गुरद्वारों व चर्च पर ही नहीं बल्कि मुसलमानों के ही अलग अलग वर्ग से जुड़ी मस्जिदों,दरगाहों,इमाम बारगाहों तथा जुलूस आदि जैसे धार्मिक आयोजनों पर न केवल साधारण हमले बल्कि आत्मघाती हमले तक किये जाते हैं। पाकिस्तान ही वह देश है जिसने तालिबान को गोद लिया उसकी परवरिश की और अब वही तालिबान पाकिस्तान के नियंत्रण से बाहर हो चला है ?

पाकिस्तान की भारतीय मुसलमानों के प्रति चिंता यह सवाल भी खड़ा करती है कि आपके देश के लोगों,आपकी सरकार व नेतृत्व ने जो कि 'मुस्लिम परस्त' होने का दावा किया करता था उसने पूर्वी पाकिस्तान के अपने ही 'क़ौमी भाईयों' (मुसलमानों) के साथ ऐसे बरताव क्यों किये कि 1971 जैसे हालात बने ? उस वक़्त कहाँ चला गया था पाकिस्तान का मुस्लिम प्रेम ? सही मायने में तो धर्म के नाम पर किया गया वह सबसे बड़ा धोखा था कि भारतीय मुसलमानों को धर्म नाम पर वरग़लाया गया और 1947 व 1971 के बीच ही क्षेत्रवाद ने अपना झंडा धर्म से भी ऊँचा कर लिया ? आज रोहंगिया मुसलमानों पर बुरा वक़्त आया है। पाकिस्तान की रोहंगिया मुसलमानों के प्रति कोई हमदर्दी नहीं दिखाई या सुनाई देती। जबकि बांग्लादेश उनको शरण देने वाला एक प्रमुख देश है। पिछले दिनों पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति का ज़िक्र करते हुये इमरान ख़ान ने स्वयं स्वीकार किया कि ''पाकिस्तान के इतिहास में किसी भी सरकार को इतने बड़े राजस्व घाटे और चालू खाता घाटे का सामना नहीं करना पड़ा। अगर हमारे मित्र देश चीन, यू ए ई व सऊदी अरब ने फ़ंड ना दिया होता तो हम डिफ़ॉल्ट कर गए होते। हमारे पास क़र्ज़ चुकाने के लिए पैसे नहीं थे। रुपए को गिरने से बचाने के लिए डॉलर नहीं थे'। इमरान ख़ान द्वारा दिया गया यह वक्तव्य जहां पाकिस्तान की डूबती अर्थव्यवस्था की ओर इशारा करता है वहीं यह सोचने के लिये भी मजबूर करता है कि भारत में मुस्लिम विरोधी आयोजन की चिंता करने वाले इमरान ख़ान ने आख़िर चीन के ज़िंजियांग प्रांत के उईगर मुसलमानों के साथ चीन सरकार द्वारा किये जा रहे अत्याचारों के विरुद्ध कभी चीनी दूतावास के अधिकारी को बुलाकर अपने 'धर्म-प्रेम' का इज़हार क्यों नहीं किया ? चीन में तो मुसलमानों के लिये कई बड़े हिरासत केंद्र केंद्र बनाये गये हैं जहां उनके साथ वह सब कुछ हो रहा है जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। परन्तु दुनिया तो ख़ामोश है ही, आश्चर्य है कि दुनिया के मुसलमानों की चिंता करने वाला पाकिस्तान भी ख़ामोश है ? क्या इस ख़ामोशी की वजह यही है कि चीन ने फ़ंड देकर पाकिस्तान को डिफ़ॉल्ट होने से बचाया है ?

दरअसल दोनों देश कभी एक ही थे इसलिये दोनों ही देशों की तर्ज़-ए-सियासत भी एक जैसी ही है। दोनों ही देशों की सरकारों को जब जनता का ध्यान जनसरोकार से जुड़े मुद्दों से भटकाना होता है उस समय दोनों ही देश एक दूसरे पर 'अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव व ज़ुल्म' का मुद्दा उछालने लगते हैं। कश्मीर को भी केंद्र में रखकर दोनों ही देश अपने अपने देशवासियों के बीच 'राष्ट्रवाद' की ज्योत जलाने लगते हैं। मँहगाई व बेरोज़गारी दोनों ही देशों की सरकारों के संभाले नहीं संभल रहे हैं परन्तु एक दूसरे देश के अल्पसंख्यकों की चिंता सभी को सताये रहती है। अपने देश के अल्पसंख्यकों की रक्षा करने व उन्हें न्याय दिलाने के बजाये 'स्वधर्मी' होने के नाम पर घड़ियाली आंसू बहाये जाते हैं। भारतीय मुसलमान आज भी जितना ख़ुश व सुरक्षित भारत में है उतना दुनिया के किसी अन्य देश में नहीं। भारतीय मुसलमानों के साथ देश के गांधीवादी विचारधारा के उदारवादी हिन्दू हमेशा से खड़े हैं। आज भी भारत में जो सरकार खांटी हिन्दुत्ववाद का झण्डा उठाये है जिसके संरक्षण के चलते हरिद्वार की कथित धर्म संसद जैसी धर्म विशेष का विरोध करने वाली बयानबाज़ियाँ हो रही हैं, उसका सबसे अधिक विरोध भारतीय हिन्दू समाज से जुड़े लोग ही कर रहे हैं। दोषियों के विरुद्ध कार्रवाइयां हो रही हैं। राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी निंदा की जा रही है। इस तरह की धर्म विशेष विरोधी बातें करने वाले लोग मुसलमानों के भी ख़िलाफ़ हैं तो उसी समय वे गाँधी के भी ख़िलाफ़ हैं और साथ ही गाँधी के हत्यारे नाथू राम गोडसे के समर्थन में भी। इससे अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि यह एक तरह की ज़हरीली विचारधारा है जिसका काम समाज में नफ़रत फैलाकर सत्ता में बने रहने की कोशिश करना है। इन कोशिशों का विरोध गंगा यमुनी तहज़ीब की रक्षा करने वाला समग्र भारतीय समाज पूरी ताक़त से कर रहा है। इसलिये इमरान साहब,बेहतर यही होगा कि आप भारतीय मुसलमानों की चिंता छोड़ अपने देशवासियों की चिंता करें तो ज़्यादा बेहतर होगा।

तुलसी जी का भगवान विष्णु से क्यों होता है विवाह !

दिवाली के बाद अगर कोई त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है तो वह है ग्यारस। दिवाली के ग्यारहवें दिन इस दिन को लेकर धूम होती है। इस उत्सव को लेकर भी कई तरह की मान्यताएं हैं। जिनमें से एक है तुलसी-शालिग्राम विवाह। ग्यारस को बुंदेलखंड में गन्ना ग्यारस के नाम से भी जाना जाता है। वहीं इस त्योहार पर तुलसी विवाह वैसे ही विधि-विधान से आयोजित किया जाता है जैसे कि आमतौर पर विवाह की परंपराएं निभायी जाती हैं।

ग्यारस पर तुलसी विवाह के लिए गन्ने का मंडप बनाया जाता है। जिसके नीचे तुलसी के पेड़ को दुल्हन का रूप दिया जाता है। तत्पश्चात विवाह के अन्य विधान शुरु होते हैं। इस दिन दूल्हा बनते हैं भगवान विष्णु का ही रूप जिसे शालिग्राम के नाम से जाना जाता है। कहा जाता है कि तुलसी-शालिग्राम के इस रूप के दर्शन करने से मनुष्य के सभी दुख एवं दोषों का अंत होता है। साथ ही बुरी व अपवित्र शक्तियों का घर में प्रवेश नहीं होता।

इस त्योहार को लेकर कथा प्रचलित है कि वृंदा जो कि भगवान विष्णु की अनन्य भक्त थीं, किंतु उसका पति राक्षसी प्रवृत्ति का होने की वजह से संसार को विजित करना चाहता था। इसलिए उसने संसार पर अत्याचार करने प्रारंभ कर दिए। समस्त लोकों को उसने त्रस्त कर दिया। देव, मानव, किन्नर सभी प्रताड़ित हो उठे, हर ओर हाहाकार मच गया। तब श्री विष्णु व शिव ने उसका वध करने का निर्णय किया। किंतु वृंदा के पुण्य प्रताप से ऐसा करना संभव नहीं था, अतः भगवान विष्णु ने वृंदा के पति का रूप धारण कर उसे स्पर्श कर पूजा में विघ्न डाल दिया और भगवान शंकर ने उसका वध कर दिया। सच्चाई जानकर वृंदा क्रोधित हो उठी और भगवान विष्णु को पाषाण बनने का श्राप दिया। इससे समस्त देव विलाप करने लगे। माता लक्ष्मी के कहने पर वृंदा ने भगवान विष्णु को श्राप मुक्त किया, किंतु ऐसी मान्यता है कि तभी से तुलसी-शालिग्राम के विवाह की परंपरा चल पड़ी। माता तुलसी वृंदा का ही रूप हैं और शालिग्राम विष्णु का वही पाषाण रूप। वृंदा की भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने उसे सदा अपने साथ पूजे जाने का आशीर्वाद प्रदान किया। यही वजह है कि ग्यारस पर दोनों के विवाह की परंपरा है, जबकि किसी भी शुभ कार्य में तुलसी के पत्ते को शामिल किया जाता है जिसके बाद वहां पवित्रता का संचार होना स्वीकार किया जाता है।

17 जनवरी की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1547	इवान चतुर्थ 'इवान द टैरिबल' रूस का जार बना।
1556	फ़िलिप द्वितीय स्पेन के सम्राट बने।
1581	ब्रिटिश संसद ने रोमन कैथोलिक मत को ग़ैर क़ानूनी घोषित किया।
1681	महाराष्ट्र के रायगढ़ किले में क्षत्रपति शिवाजी के पुत्र संभाजी का भव्य राज्याभिषेक हुआ।
1761	पांडेचेरी पर से अंग्रेज़ों ने फ़्राँसीसियों का अधिकार हटा दिया।
1769	कलकत्ता (अब कोलकाता) के अकरा में पहली बार सुनियोजित घुड़दौड़ का आयोजन किया गया
1943	इंडोनेशिया के अंबोन द्वीप पर अमेरिकी वायुसेना का पहला हवाई हमला।
1947	विंसेंट ऑरियल फ्रांस के राष्ट्रपति चुने गये।
1920	'लीग ऑफ़ नेशंस' ने पेरिस में अपनी पहली काउंसिल मीटिंग की।
1955	पुणे में खड्गवासला राष्ट्रीय रक्षा अकादमी का औपचारिक रूप से उद्घाटन।
1969	सोवियत अंतरिक्ष यानों 'सोयुज 4' और 'सोयुज 5' के बीच पहली बार अंतरिक्ष में सदस्यों का आदान-प्रदान हुआ।
1979	'शाह ऑफ़ ईरान' सपरिवार मिस्र पहुँचे।
1991	'पहला खाड़ी युद्ध' (अमेरिका की इराक के ख़िलाफ़ सैन्य कार्रवाई शुरू)।
1992	भारत एवं ब्रिटेन के बीच प्रत्यर्पण संधि।

प्रौद्योगिकी शिक्षा को कैसे प्रभावित करती है

विचार बिन्दु

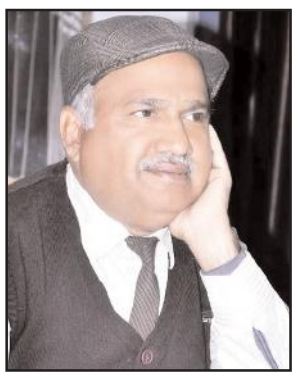

विजय गर्ग

एक अन्य विकल्प में यह एक ऑनलाइन कक्षा प्रदान करता है, एक छात्र शिक्षक के साथ आमने-सामने बातचीत कर सकता है।

इसने शिक्षा को बेहतर बनाने में एक बड़ी भूमिका निभाई है और इस क्षेत्र में स्पष्ट रूप से लचीलापन पेश किया है। शिक्षा पर प्रौद्योगिकी का उल्लेखनीय प्रभाव पड़ता है। यह उम्र, आर्थिक पृष्ठभूमि या लिंग के बावजूद प्रत्येक इच्छुक व्यक्ति के लिए उपयोगी है। यह चट्टान को काटने और शिखर तक पहुंचने के लिए हर कदम पर इस्तेमाल की जाने वाली कुल्हाड़ी है। प्रौद्योगिकी प्राथमिक से उच्च शिक्षा के शिक्षार्थियों के लिए उपयोगी है। एक समर्पित छात्र प्रौद्योगिकी का उपयोग एक हथियार के रूप में करता है जो उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है। शैक्षिक ऐप बनाने के लिए आप शिक्षा ऐप विकास सेवा की तलाश कर सकते हैं। इस ई-लर्निंग युग में इसके महत्वपूर्ण उपयोग के कारण इन ऐप्स की भारी मांग है। एक प्रभावी शैक्षिक ऐप बनाने के लिए सेवा प्रदाता तकनीकों और कौशल से अच्छी तरह वाकिफ हैं। यहां हम सबसे पहले शिक्षा पर प्रौद्योगिकी के कुछ सामान्य और उपयोगी प्रभावों को देखेंगे। प्रौद्योगिकी एक ही ऐप पर सूचनाओं के महासागरों को ले जाने में मदद करती है। छात्र जो चाहें आसानी से सीख सकते हैं। बाजार में विभिन्न प्रकार के शैक्षिक ऐप उपलब्ध हैं। कुछ को केवल एक ही विषय का ज्ञान होता है, अन्य में कक्षा के अनुसार सामग्री होती है। आपके पास एक ऐप हो सकता है जो प्रतियोगी परीक्षाओं पर केंद्रित हो या एक ऐप जो बोर्ड परीक्षाओं का ध्यान रखता हो। प्रौद्योगिकी ने एक छात्र को ज्ञान से घेरने में मदद की है। मैं आपको ई-लर्निंग एप्लिकेशन डेवलपमेंट सेवाओं की तलाश करने की सलाह दूंगा। उनके पास अत्यधिक कुशल सेवा प्रदाता हैं जो एक शैक्षिक ऐप में उपयोग किए जाने वाले सही तकनीकी स्टैक के बारे में जानते हैं। आप उनके साथ बातचीत कर सकते हैं और अपने विचार साझा कर सकते हैं। वे आपको ऑनलाइन शिक्षा के लिए सर्वोत्तम संभव ऐप प्रदान करेंगे। कोई बाधा उपलब्ध नहीं है, एक छात्र को सिर्फ ज्ञान इकट्ठा करने के लिए उत्सुक होना चाहिए। प्रौद्योगिकी ने कहीं भी और कभी भी सामग्री तक पहुंच की सुविधा प्रदान की है। आपको बस एक इंटरनेट कनेक्शन चाहिए। ज्यादातर मामलों में जहां एक ऑफ़लाइन सुविधा उपलब्ध है, आपको कनेक्शन की भी आवश्यकता नहीं है। तकनीक ने शिक्षा की पहुंच बढ़ा दी है। जिज्ञासु शिक्षार्थी दूरस्थ स्थान पर भी ज्ञान प्राप्त कर सकता है। इसने पहुंच बढ़ाकर पढ़ाई का बोझ कम किया है। आप अपने पसंदीदा स्थान पर एक ऐप का उपयोग कर सकते हैं और सीख सकते हैं। अब, आपको अपने ट्यूटर के आने और आपको पढ़ाने के लिए इंतजार करने की आवश्यकता नहीं है यदि आप अध्ययन करना चाहते हैं तो आप दिन के किसी भी समय तुरंत शुरू कर सकते हैं। प्रौद्योगिकी भी छात्रों को शिक्षकों के चयन के लिए विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती है। एक छात्र दुनिया भर के किसी भी शिक्षक से सीख सकता है, इसका कोई आयाम नहीं है जो छात्रों को केवल क्षेत्रीय शिक्षक से सीखने के लिए मजबूर करता है। ऑनलाइन सीखने में आपको शारीरिक रूप से उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है, इसलिए आप अपनी संतुष्टि के अनुसार शिक्षकों का चयन कर सकते हैं। चम्मच से खिलाने के पुराने तरीके को कम करने में तकनीक की बहुत बड़ी भूमिका होती है। एक छात्र को हर कदम पर शिक्षक पर निर्भर होने की आवश्यकता नहीं है। प्रभावी अधिगम के लिए, ज्ञान प्राप्त करने के लिए एक छात्र द्वारा एक अलग स्रोत तक पहुँचने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की जाती है। प्रौद्योगिकी निर्भरता को कम करती है लेकिन ज्ञान प्राप्त करने की प्रक्रिया के दौरान समर्थन के रूप में खड़ी होती है। एंड्रॉइड एप्लिकेशन डेवलपमेंट कंपनियां शैक्षिक ऐप बनाने में आपकी मदद कर सकती हैं। एजुकेशनल ऐप्स इन दिनों काफी डिमांड में हैं। डेवलपर्स एक ऐप विकसित करने में अत्यधिक सक्षम और कुशल हैं।

एक छात्र को सीखने और ज्ञान बढ़ाने के लिए आत्म-जागरूक होना चाहिए। यह पूरे पाठ्यक्रम के लिए एक उचित ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म के साथ-साथ रुचि के अनुसार नई चीजें सीखने के खुले तरीके प्रदान करता है। यह सीखने के प्रति आत्म-सगाई बढ़ाता है। प्रौद्योगिकी एक ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म प्रदान करती है जहां एक छात्र शिक्षक के साथ आसानी से बातचीत कर सकता है। यह दो प्रकार की सुविधाएं प्रदान करता है। शिक्षक ऐप पर विषयों के वीडियो अपलोड करता है। एक छात्र सुविधा के अनुसार वीडियो देख सकता है और संदेह सत्रों में संदेह दूर कर सकता है।

अच्छा कोलेस्ट्रॉल बढ़ाना है तो खाएं ये 7 चीजें

एचडीएल यानी अच्छा कोलेस्ट्रॉल। जितना ज्यादा एचडीएल, उतना ही स्वस्थ दिल। इसका कम होना मोटापे व हृदय रोगों की आशंका को बढ़ा देता है। एचडीएल में सुधार करना है तो स्वस्थ जीवनशैली पर जोर देना जरूरी है।

पैदल चलें

पैदल चलना, जॉगिंग करना या साइकिल चलाना कोई भी ऐसा व्यायाम करें, जिससे आपकी हृदयगति तेज हो। एक दिन में व्यायाम के लिए 45 मिनट का समय निकालें। कैसा व्यायाम करते हैं, उसके साथ यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि कितनी देर व्यायाम करते हैं।

वजन रखें नियंत्रित

अगर वजन अधिक है तो वजन कम करने पर जोर दें। खासकर पेट के निचले हिस्से में जमा वसा को कम करने पर ध्यान दें। महिलाओं में 80 सेमी. और पुरुषों में 90 सेमी. से अधिक कमर का होना संकेत है कि वजन कम करना जरूरी है।

धूम्रपान न करें

धूम्रपान का सेवन शरीर में एलडीएल यानी हानिकारक कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। एचडीएल काफी कम है तो धूम्रपान छोड़ना जरूरी होगा। तंबाकू उत्पादों का सेवन न करना एचडीएल के स्तर में सुधार करता है।

अच्छी वसा पर ध्यान दें

ट्रांस फैटी एसिड को पूरी तरह ना कहें। हाइड्रोजेनेटेड वनस्पति तेल भी कम खाएं। बाजार में बिकने वाले बिस्कुट व बेकरी प्रोडक्ट, पीनट बटर और बाजार में बिकने वाली तली चीजों में इसका इस्तेमाल होता है।

इसकी जगह मोनोसेचुरेटेड फैट्स खाएं। इसमें सरसों का तेल, जैतून का तेल, मूंगफली का तेल, एवोकाडो व कैनोला ऑयल आदि को शामिल किया जाता है। घर में खाना बनाते समय इन तेलों को कुछ समय पर बदलते रहें। हफ्ते में दो या तीन बार मछली खाना ओमेगा-3 फैट्स के स्तर को बढ़ा देता है। बादाम, अखरोट, पिस्ता के अलावा सीताफल, तरबूज, मेथी, अलसी आदि के बीज खाना भी अच्छा रहता है।

फाइबर खाएं

ओट्स व चोकर समेत अन्य साबुत अनाज, सेब, अंगूर, खट्टे फल, सब्जियां, बींस और मेथी दाने में भरपूर फाइबर होता है। अच्छे नतीजों के लिए एक दिन में दो से तीन चीजों को अवश्य शामिल करें।

सोयाबीन भी कर सकते हैं शामिल

हालांकि इस संबंध में अभी भी बहस जारी है और शोध कार्य चल रहे हैं, लेकिन कुछ शोधों के अनुसार एक दिन में 25 ग्राम सोया प्रोटीन लेना एचडीएल के स्तर को बढ़ाने में मदद करता है।

डेयरी प्रोडक्ट्स भी लें

कई बार वजन कम करने की प्रक्रिया में डॉक्टर पूरी तरह डेयरी उत्पादों को खाने के लिए मना करते हैं।

ऐसा दूध में उच्च वसा की मौजूदगी के कारण होता है।

पर शोध कहते हैं कि गाय के दूध में मौजूद कुछ तत्व हानिकर कोलेस्ट्रॉल एलडीएल व ट्रीग्लिसराइड्स को कम करने में मदद करते हैं। स्किम्ड मिल्क और टोंड दूध लेना अच्छे विकल्प हैं।

खराब पोषण तो घेर लेगी बीमारियां

खून की कमी

एनीमियाग्रस्त व्यक्ति को खून की कमी होती है। यह तब होता है जब शरीर में रक्त के लाल कणों या कोशिकाओं के नष्ट होने की दर, अनके निर्माण की दर से अधिक होती है। चूँकि महिलाएं प्रतिमास आपनी माहवारी के माध्यम से खून गंवाती है, इसलिए किशोरावस्था तथा रजोनिवृति के बीच की आयु की महिलाओं को एनीमिया सबसे अधिक होता है। संसार की गर्भवती महिलाओं में से 50% से भी अधिक एनीमिया से पीड़ित होती हैं क्योंकि उन्हें गर्भ में बढ़ते हुए शिशु के लिए भी रक्त निर्माण करना पड़ता है। एनीमिया एक गंभीर बीमारी है। इसके कारण महिला को अन्य बीमरियों होने की संभावना भी बढ़ जाती है। यह महिला की कार्यक्षमता व सीखने की क्षमता पर भी बुरा प्रभाव डालती है। एनिमियाग्रस्त महिलाओं की प्रसव के दौरान रक्त स्त्राव तथा मरने की संभवना काफी अधिक होती है।

लक्षण: त्वचा का सफ़ेद दिखाना, जीभ, नाखूनों व पलकों के अंदर सफेदी (रक्तहीनता) का आभास होना। चक्कर आना विशेषकर लेटी व बैठी स्थिति में उठने पर। बेहोश होना। सांस फूलना। हृदय गति का तेज होना ।

एनीमिया के कारण

एनीमिया का सबसे प्रमुख कारण हिया लौह तत्व युक्त खाद्य पदार्थों का पर्याप्त मात्रा में न खाना क्योंकि लाल रक्त कणों के निर्माण के लये लौह तत्व की आवश्यकता होती है । इसके अन्य कारण हैं : मलेरिया, जिसमें लाल रक्त कण नष्ट हो जाते हैं। बार-बार गर्भधारण करना। किसी भी कारण रक्त का नुकसान, जैसे कि-माहवारी में अधिक मात्रा में खून जाना (कॉपर टी या अन्त: गर्भस्थ साधन (आइ0यू0डी0) के कारण माहवारी भारी हो सकती है)।

प्रसव: पेट के कीड़ों पर परजीवियों के कारण खुनी दस्त लगना। पेट के अल्सरों से खून जाना। किसी जख्म से अधिक खून जाना।

उपचार व रोकथाम

- ❖ यदि मलेरिया, परजीवी या कीड़ों के कारण एनीमिया है तो पहले इनका उपचार करें ।
- ❖ अधिक लौह तत्व युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें और उनके साथ विटामिन 'ए' व 'सी' समृद्ध खाद्य पदार्थ खायें क्योंकि ये शरीर में लौह तत्व के शोषण में वृधि करते है।
- ❖ खट्टे फल व टमाटर विटामिन 'सी' के अच्छे स्त्रोत हैं। गहरे पीले व गहरे हरे रंग की पत्तेदार सब्जियों में विटामिन 'ए' प्रचुर मात्रा में होता है।
- ❖ अगर कोई महिला पर्याप्त मात्रा में लौह तत्व युक्त खाद्य पदार्थ नहीं खा सकती है तो उसे लौह तत्व की गोलियां खानी पड़ेगी।
- ❖ काली चाय या कॉफ़ी पीने तथा अन्त्रों की बाहरी परत (चोकर) खाने से परहेज करें। ये शरीर में लौह तत्व के शोषण को कम करती है।
- ❖ परजीवीयों के संक्रमण से बचाव के लिए स्वच्छ पेय जल ही पीयें।
- ❖ स्वच्छ शौचालय का प्रयोग करें ताकि कीड़ों के अंडे (जो शौच में हो सकते हैं) भोजन पानी के स्त्रोंतों में न फैलें। यदि आपके क्षेत्र में हुकवर्म काफी प्रचुर है तो नंगे पैर खेतों, जमीन पर न चलें।
- ❖ बच्चों के जन्म के बीच कम से कम 2 वर्ष का अंतर रखें। ऐसा करने से दो गर्भों के बीच आपका शरीर लौह तत्व का कुछ भंडारण कर पाएगा।

चूँकि लडकियों तथा महिलाओं को आवश्यकता से कम भोजन या यूँ कहिए कि कम पौष्टिक भोजन मिलता है, इसलिए उनके बीमार पड़ने की संभावना अधिक होती है। नीचे कुछ ऐसी बिमारियों का वर्णन किया जा रहा है तो ख़राब पोषण के कारण होती है।

बेरी-बेरी रोग

यह रोग थायमिन (एक प्रकार का विटामिन 'बी') की कमी के कारण होता है । थायमिन एक विटामिन है जो भोजन को उर्जा में परिवर्तित करने में सहायता करता है। एनीमिया की तरह यह रोग भी महिलाओं में किशोरवस्था से लेकर रजोनिवृति के बीच की उम्र में अरु उनके बच्चों को होता है। बेरी-बेरी होने की संभवना सर्वाधिक तब होती है जब भोजन में मुख्य खाद्य इस प्रकार का होता है जिसमें से उसकी बाहरी सतह (उदाहरण तया पॉलिश किया हुआ चावल) निकाल ली गई हो या ऐसा कंदमूल जिसमें स्टार्च की मात्रा काफी अधिक हो (जैसे कि-टेपिओका)।

लक्षण: भूख न लगना, खाने की इच्छा नहीं होना। भयंकर कमजोरी, विशेषकर पैरों में। शरीर पर सूजन आ जाना या दिल काम करना बंद कर देता है जिससे अचानक मृत्यु हो सकती है।

उपचार व रोकथाम

ऐसे खाद्य पदार्थ खायें जिनमें थायमिन अधिक होता है जैसे कि संपूर्ण अन्न, दालें (मटर, फलियां), दूध व अंडा। अगर ये सब खाना संभव नहीं है तो रोगी को थायमिन की गोलियां खानी पड़ेंगी।

हैप्पी ओल्ड एज के स्मार्ट टिप्स

'जियो और जीने दो' के सिध्दांत को स्थापित रखने का प्रयास करें। जीवन के हर क्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखें। स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण सतर्क रहें। आवश्यक चैकअप समय-समय पर कराते रहें। जहां तक संभव हो प्रौढ़ावस्था में ही अपनी वृध्दावस्था की तैयारी आरंभ कर दें। अपना बैंक-बैलेंस और आभूषणों को भविष्य में आने वाले समय के लिए सुरक्षित रखें। अपना सब कुछ बांटने और देने की भूल, भूलकर भी न करें। व्यस्त और सक्रिय रहने का प्रयास करें। इसके लिए नियमित रूप से समय के साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। संतुलित और पौष्टिक भोजन का सेवन करें। आपका स्वभाव जितना अच्छा होगा, उतना ही आपका बुढ़ापा अच्छा कटेगा। इस बात का विशेष ध्यान रखें। युवा पीढ़ी से ही नहीं, बल्कि किसी अन्य से भी अधिक उम्मीदें कभी न रखें। नौकरी से अवकाश के उपरांत घर पर व्यर्थ न बैठें और न ही आत्मकेन्द्रित बनें, बल्कि समाज व सामाजिक कार्यों के प्रति अपना सक्रिय योगदान दें। आज की आधुनिक जीवनशैली में बहुत आवश्यक है आपका समय के साथ चलना, इसलिए समय के साथ-साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। दूसरे के काम आने का प्रयास करें, इससे आपको भी आत्मसंतुष्टि मिलेगी और दूसरे भी आपसे खुश रहेंगे। इस अवस्था में आप अपनी रुचि व इच्छा के वे सभी कार्य करें, जो आप अपने घर-परिवार की जिम्मेदारियों को निभाते हुए न कर सके थे। नकारात्मक विचारों को मन में स्थान न दें। सकारात्मक सोच के साथ जीवन के हर सुख-दु:ख को जीने का प्रयास करें। स्वयं में आत्मबल का विकास करें। हर विपरीत परिस्थिति में अपना संयम न खोयें, बल्कि धैर्य और शान्ति से बुरे समय के निकल जाने का इन्तजार करें।

रतौंधी रोग

यह आंखों की एक बीमारी है जो आम तौर पर दो से पांच वर्ष की आयु के बच्चों में सर्वाधिक होती है लेकिन वयस्कों में भी हो सकती है। यह विटामिन 'ए' की कमी के कारण होती है और गहरे पीले व गहरे हरे रंग की पत्तेदार सब्जियों, फलों व अन्य ऐसे खाद्य पदार्थों के पर्याप्त मात्रा में सेवन न करने के कारण होती है जिनमें विटामिन 'ए' प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। अगर लक्षणों की जल्दी पहचान करके समय पर इसका उपचार न कराया जाए तो अंधापन भी हो सकता है।

लक्षण: सबसे पहले, रतौंधी से पीड़ित महिला, कम रोशनी या हल्के अंधेरे में (जैसे कि शाम के समय), अन्य लोगों की तरह अच्छी तरह से नहीं देख पाती है। अगर उसे उपचार न मिले तो उसकी आंखों में सूखापन होने लगता है। आंखों के सफ़ेद हिस्से में सामान्य चमक कम होने लगती है और वहां सिलवटें पड़ने लगती है। आंखों में बिटाट स्पॉट्स बन जाते हैं। कोर्निया (पुतली के ऊपर पारदर्शी भाग) में सूखापन आने लगता है और वहां सूक्ष्म गड्ढे बनने लगते हैं। तत्पश्चात कोर्निया नरम होकर या तो जगह जगह से उभरने लगता है या वह फट भी सकता है। इस क्रिया में आंख में कोई दर्द नहीं होता है। संक्रमण, कोर्निया में सफेदी बनने या अन्य समस्या से अंधापन हो सकता है।

उपचार व रोकथाम

- ❖ भोजन में गहरे हरे रंग की पत्तेदार सब्जियां (जैसे कि पलक, मेथी आदि) तथा पीले या लाल फल व सब्जियां (जैसे की गाजर, पपीता, आम आदि) जरुर खायें।
- ❖ दूध, अंडा, जिगर, व गुर्दे भी विटामिन 'ए' के अच्छे स्त्रोत हैं। इनके खाने से भी विटामिन 'ए' की कमी की रोकथाम होती है।
- ❖ अगर आप किसी कारण से उपर बताये गए खाद्य पदार्थ खाने में असमर्थ हैं तो आपको विटामिन 'ए' के कैप्सूल लेने होंगे। जो महिला ठीक से भोजन खाती है, उसे सारे विटामिन प्राप्त हो जाते हैं। विटामिनों की गोलियां, इंजेक्शन, शर्बत या टॉनिक लेने से बेहतर है कि ठीक से भोजन खाया जाए। कभी-कभी पौष्टिक भोजन आसानी से उपलब्ध नहीं होता है। अगर कोई महिला पहले से ही कुपोषित है तो उसे यथासंभव मात्रा में भोजन खाना चाहिए और साथ में विटामिन की गोलियां भी खानी चाहिए। विटामिन की गोलियां, सुईयों की तुलना में, उतनी असरदार परंतु अधिक सस्ती व हानिकारक होती है। विटामिन की सुईयां कभी न लें। उन्हें खाने ही बेहतर है हो सके तो पौष्टिक भोजन के रूप में।

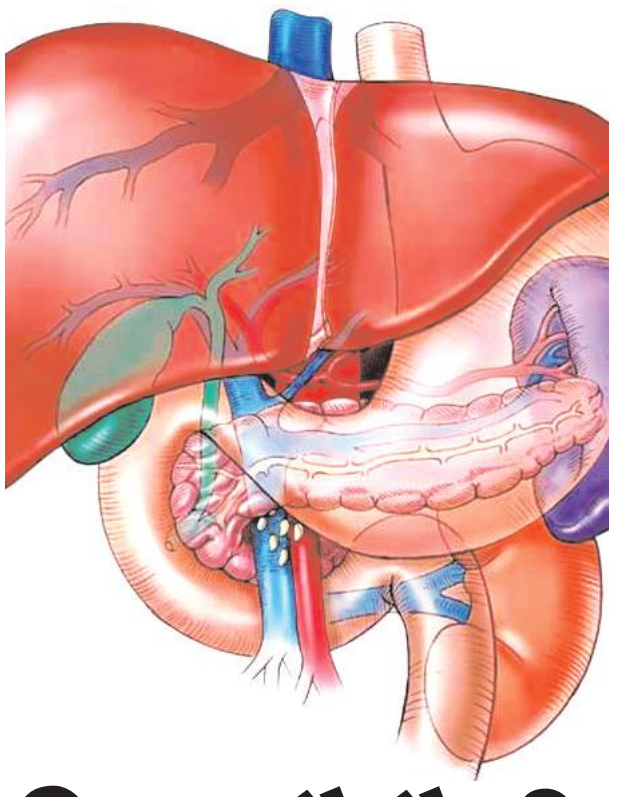

लिवर है फैटी तो ये जरूर खाएं ये चीजें

फैटी लिवर और आंतों से जुड़े रोगों में गहरा संबंध है। शरीर से विषाक्त तत्वों को बाहर निकालने के लिए सही आहार पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। विटामिन बी और सी युक्त चीजें लिवर को खास फायदा पहुंचाती हैं। प्रोबायोटिक्स शरीर में जमा विषाक्त तत्वों को बाहर निकालने में सहायक हैं। शहद, दही, योगर्ट अधिक खाएं। बाजार में प्रोबायोटिक युक्त ब्रेड, दूध व दही व सप्लिमेंट्स भी मिलते हैं। विटीमिन बी और सी युक्त चीजें खाएं। ये दोनों तत्व रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं और शरीर पर टॉक्सिन्स के असर को कम करते हैं। विटामिन बी कॉम्प्लेक्स लिवर को ठीक रखता है। सुबह के नाश्ते में मोटापा बढ़ाने वाले तत्व कम और फाइबरयुक्त चीजें अधिक लें।

आहार में दालें, चोकरयुक्त आटे से बनी चीजें, अंकुरित अनाज व दलिया खाएं। दिन में दो-तीन बार डैंडेलाइन टी पिएं। यह शरीर से पित्त का असर कम करती है। कच्ची सब्जियों व फलों का सेवन लिवर को फायदा पहुंचाता है। खासतौर पर हरे, नारंगी, पीले, बैंगनी और लाल रंग के फल व सब्जियां खाएं। गाजर, मूली, चुकंदर लिवर के लिए अच्छे हैं।

खूब पानी पिएं।

नीबू पानी, नारियल पानी, बेल शरबत व जूस पियें। ये पेय पदार्थ लिवर को ताकत देते हैं। लिवर में बनने वाले पित्त को काबू में रखने के लिए कड़वी पत्तियों मसलन सिंहपर्णी, चिकोरी आदि को सलाद के तौर पर खाएं। करेला भी फायदेमंद होता है। टूना, सरडाइन मछली के अलावा मूंगफली, सनफ्लावर, बादाम, तिल आदि का इस्तेमाल करें। सीताफल के बीज, फली वाली सब्जियां, मटर, दाल व बीन्स खाएं।

फायदेमंद हैं जड़ी-बूटियां और मसाले

नियमित 5-6 ग्राम सौंफ खाएं। हल्दी और भृंगराज एल्कोहल व अन्य विषैले पदार्थों के असर को कम करने में मदद करते हैं। काली मिर्च का सेवन एसिडिटी के विकार को कम करता है। एसिडिटी लिवर को नुकसान पहुंचाती है।

गुंटूर करम ने की धमाकेदार ओपनिंग किया 94 करोड़ का कलेक्शन ...

मुंबई। फिल्म गुंटूर करम ने पहले ही दिन धमाकेदार ओपनिंग की। महेश बाबू और श्रीलीला स्टारर इस फिल्म में मीनाक्षी चौधरी, प्रकाश राज, राम्या कृष्णन, जयराम ने अहम किरदार निभाए हैं। वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने पहले ही दिन 94 करोड़ का बिजनेस किया है। रिपोर्ट के मुताबिक गुंटूर करम ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन में 41.3 करोड़ कमाए हैं।

ओटीटी पर गूंजी टाइगर-3 की दहाड़, 14 देशों में बनी नंबर-1

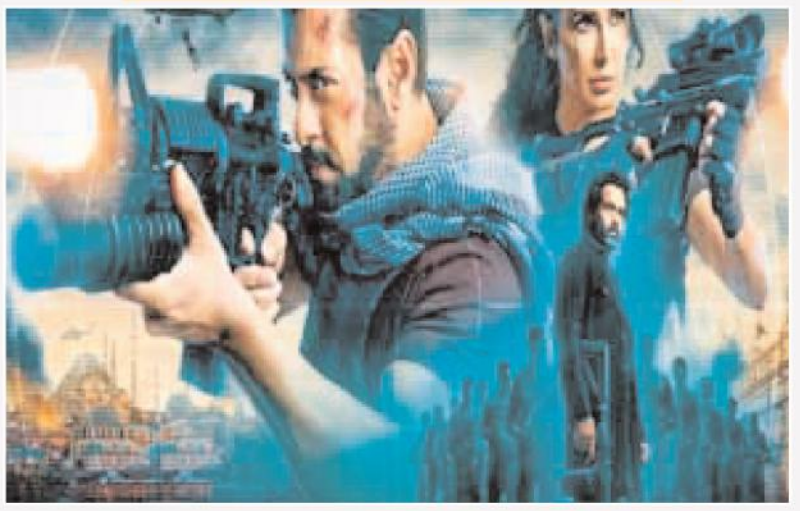

मुंबई। सलमान की फिल्म टाइगर 3 ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड सेट कर दिया है। ओटीटी पर भी फिल्म हिट साबित हो रही है। 7 जनवरी को ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम पर टाइगर 3 रिलीज होने के बाद से सोशल मीडिया इसका सेंसेशन बढ़ गया है। रिलीज होने के कुछ ही दिनों के भीतर ओटीटी पर हिट हो गई है। टाइगर लोगों का मनोरंजन करने के लिए हमेशा मौजूद होगा।

मैरी क्रिसमस को मिली धीमी शुरुआत पहले दिन कमाए मात्र 2.55 करोड़ ...

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ और साउथ के फेमस एक्टर विजय सेतुपति की 'मैरी क्रिसमस' ने 12 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक दे दी है। लेकिन फिल्म का जितना क्रेज देखा जा रहा था, कमाई उस हिसाब से कुछ कम है। रिपोर्ट के मुताबिक, मैरी क्रिसमस ने 2.55 करोड़ का कलेक्शन किया है। अब मेकर्स को वीकेंड से बहुत उम्मीदें हैं। हालांकि अब मेकर्स को शनिवार और रविवार से बहुत उम्मीदें हैं।

अमित साध पुणे हाईवे में आएंगे नजर...

मुंबई। अभिनेता अमित साध 'दुरंगा 2' में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद अपनी अगली बड़ी फिल्म के लिए तैयार हैं। इस बार, वह 2024 में आने वाली पुणे हाईवे नामक एक नई फिल्म में सभी का मनोरंजन करने को तैयार हैं। अमित ने विभिन्न फिल्मों में अपने शानदार प्रदर्शन से कई लोगों का दिल जीता है, और दुरंगा 2 में उनकी भूमिका ने उनकी सफलता में और इजाफा किया है। अब, प्रशंसक यह देखने के लिए उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं कि पुणे हाईवे में उनके लिए क्या नया आने वाला है। 2024 में फिल्मों को लेकर बेहद उत्साहित है और जो लोग फिल्मों को पसंद करते हैं वे इस विशेष फिल्म के आने का इंतजार कर रहे हैं।

लाइफ Style

राधिका

एयरोब्रिज में फंसने पर निकाली भड़ास

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बॉलीवुड एक्ट्रेस राधिका आप्टे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो और कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसको देखने के बाद अब फैंस घबराए हुए हैं। राधिका ने एक पोस्ट शेयर की कि वह अपनी उड़ान के सह-यात्रियों के साथ एक हवाई अड्डे पर एयरोब्रिज के अंदर बंद हो गई थीं।

राधिका ने एयरोब्रिज में फंसने के बाद गुस्से में एक लंबा नोट लिखकर अपनी भड़ास निकाली है। राधिका ने लिखा, मुझे यह पोस्ट करना पड़ा! सुबह मेरी 8:30 बजे की फ्लाइट थी। अभी 10:50 हो गए हैं और फ्लाइट अभी तक बोर्ड नहीं हुई है, हमसे कहा कि हम बोर्डिंग कर रहे हैं और फिर सभी यात्रियों को एयरोब्रिज में डाल दिया और इसे बंद कर दिया! छोटे बच्चों, बुजुर्गों के साथ यात्रियों को एक घंटे से अधिक समय से बंद कर दिया गया है। सुरक्षा के दरवाजे नहीं खोले गए। कर्मचारियों को बिल्कुल भी पता नहीं है।

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि जाहिर तौर पर उनके क्रू ने अभी बोर्ड नहीं किया है। क्रू बदला गया है और वो अभी भी नए क्रू का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन उन्हें कोई अंदाजा नहीं है कि वो कब आएंगे तो किसी को नहीं पता कि वो कितनी देर यहां बंद रहने वाले हैं। मैं छुपकर इनकी स्टुपिड फीमेल स्टाफ से बात करने में कामयाब रही, जो कहती रही कि कोई समस्या नहीं है और कोई देर नहीं होगी। अब मैं अंदर बंद हूं और उन्होंने बस हमें ये बताया है कि हम यहां दोपहर 12 बजे तक लॉक रहने वाले हैं।

हॉलीवुड मसाला

गाजा हादसे में हुए घायल

लॉस एंजेलिस। गाजा में इस्राइली सेना और हमास के बीच पिछले कई दिनों से लगातार युद्ध चल रहा है और इसमें कई लोगों की जान जा चुकी है। वहीं, अब हाल ही में इस वॉर में एक मशहूर एक्टर के साथ बड़ा हादसा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, वेब सीरीज 'फौदा' के एक्टर और सिंगर इदान अमेदी लड़ाई के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इस खबर ने इदान के फैंस को चिंता में डाल दिया है। इदान अमेदी गाजा पट्टी के खान यूनिस में हमास आतंकवादियों के खिलाफ इस्राइली सेना के सैनिक के रूप में लड़ाई लड़ रहे थे।

न्यूयॉर्क की सड़कों पर डॉगी संग स्पॉट हुईं एमिली

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड स्टार एमिली एक बड़ी डॉग लवर हैं। वह अपने डॉगी पर बच्चों की तरह प्यार लुटाती हैं। बीते दिन एक्ट्रेस को न्यूयॉर्क शहर के वेस्ट विलेज में डॉगी कोलंबो संग सैर करते देखा गया। एक्ट्रेस के इस अंदाज में फैंस का दिल जीत लिया और उनकी ये तस्वीरें अब इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान ब्लैक जैकेट के साथ व्हाइट ट्राउजर पहने नजर आईं। इस लुक को उन्होंने व्हाइट शूज, रेड कैप और ब्लैक चश्मे के साथ कंप्लीट किया। अपने डॉगी के पट्टे को हाथ में पकड़े और हाथों को पॉकेट में डाले वह न्यूयॉर्क की सड़कों पर सैर करती दिखीं। कैमरे के सामने एक्ट्रेस ने कई जबरदस्त पोज दिए।

मिस्ट्री मैन का हाथ थामे हुईं स्पॉट

मुंबई। एक्ट्रेस कंगना रनौत ने अभी तक शादी नहीं रचाई है और न ही उन्होंने किसी के साथ रिलेशन में होने का खुलासा किया है। अब हाल ही में जब कंगना को मिस्ट्री मैन के साथ देखा गया तो उनके लिंकअप की खबरें सोशल मीडिया पर तूल पकड़ने लगीं। कंगना को किसी मिस्ट्री मैन के साथ हाथों में हाथ डाले स्पॉट किया गया, जिसकी तस्वीरों को लेकर कंगना खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। दरअसल, बॉलीवुड क्वीन कंगना को मुंबई में एक सैलून से बाहर निकलते देखा गया। इस दौरान वह मिस्ट्री मैन का कसकर हाथ थामे नजर आईं। इतना ही नहीं, इस मौके वह खूब ब्लश करती भी दिखीं। चेहरे पर काला चश्मा लगाए स्काई ब्लू कलर की ड्रेस में वह बेहद गॉर्जियस दिखीं। जबकि, उनके साथ नजर आया ये मिस्ट्री मैन एक विदेशी था।

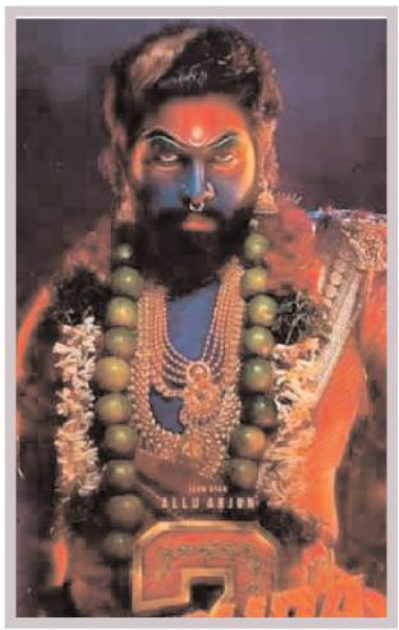

तय समय में रिलीज होगी पुष्पा-2

मुंबई। वर्ष 2024 की बहुप्रतीक्षित और बहुप्रचारित फिल्म पुष्पा-2 का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म को लेकर पिछले कुछ समय से यह कहा जा रहा था कि यह फिल्म अपने तय समय 15 अगस्त को प्रदर्शित नहीं होगी। हालांकि फिल्म निर्माताओं ने इन समाचारों को पूरी तरह से निराधार बताया है और कहा है कि फिल्म अपने तय समय पर ही प्रदर्शित होगी। फिल्म की शूटिंग फुल स्पीड से चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, डायरेक्टर सुकुमार और अल्लू ने फैसला किया है मई 2024 तक शूटिंग खत्म करनी है। 100 दिनों का शूट अभी रहता है और टीम लगातार 5 महीने तक काम कर रही है ताकि फिल्म की शूटिंग जल्द खत्म हो। पुष्पा 2 के बाकी एक्टर्स ने भी अपनी सारी डेट्स सुकुमार को दी हुई हैं ताकि पुष्पा 2 की रिलीज में देरी ना हो।

टीवी मसाला

प्रियांशी और रोहित ने बताएं अपने मकर संक्रांति के प्लांस

मुंबई। मकर संक्रांति, जिसे अक्सर काइट फेस्टिवल भी कहा जाता है, पूरे जोश के साथ मनाया जाता है। लोग पतंग उड़ाकर वसंत के आने का जश्न मनाते हैं। इस साल इस शुभ अवसर पर टेलीविजन कलाकारों ने पतंग उड़ाने की अपनी यादें और अनुभव साझा किए। शो पंड्या स्टोर की प्रियांशी यादव उर्फ नताशा बताती हैं, यह मकर सक्रांति त्योहार पतंग उड़ाने के लिए मशहूर है। मैं भी इसमें हिस्सा लेती थी, हालांकि मैं वास्तव में इसमें अच्छी नहीं हूं, लेकिन फिर भी मुझे ये करने में मजा आता है। इस साल, मैं इसे अपनी मां के साथ मनाने जा रही हूं, क्योंकि मैं शूटिंग करूंगी। मैं मंदिर जाऊंगी, अपनी मां के साथ पूजा करूंगी और आशीर्वाद लूंगी। मुझे पतंग उड़ाने में बहुत मजा आता है और मुझे आकाश को देखना बहुत पसंद है, क्योंकि जब भी मैं रेनबो रंग का आसमान देखती हूं तो मैं दीवानी हो जाती हूं। पंड्या स्टोर के रोहित चंदेल उर्फ धवल कहते हैं, मकर संक्रांति त्योहार के दौरान, मेरी मां तिल के लड्डू बनाती हैं और बचपन में मैं घरों में जाता था और उनका स्वागत लड्डू से करता था। मुझे पतंग उड़ाने में मजा आता है।

अभिनय के लिए की थी पिता से बगावत, निभाएं बेहतरीन किरदार

मुंबई। बॉलीवुड का हैंडसम हंक विनोद खन्ना के पिता कभी नहीं चाहते थे कि वह एक्टर बने लेकिन उन्होंने पिता से बगावत कर फिल्मों की ओर रुख किया और अपने किरदारों से उनका नाम रोशन किया। निगेटिव, एक्शन और रोमांटिक रोल निभाने वाले दिग्गज अभिनेता विनोद खन्ना को सुनील दत्त ने साल 1968 में आई फिल्म 'मन का मीत' से बतौर विलेन लांच किया था। इस फिल्म में विनोद खन्ना हीरो न होने के बाद भी अपनी पहचान बनाने में कामयाब हुए थे। अपने करियर की शुरुआत में उन्होंने कई फिल्मों में निगेटिव रोल निभाकर खूब वाहवाही लूटी।

पिता ने तान दी थी पिस्तौल

एक्टिंग की दुनिया में ऐसी जबरदस्त धाक जमाने वाले विनोद खन्ना के पिता बिल्कुल नहीं चाहते थे कि वह फिल्मी दुनिया में आए। उनके पिता एक बिजनेसमैन थे लेकिन जब विनोद ने बताया कि वह एक्टर बनने का सपना देख रहे हैं तो उनके पिता ने उनकी जमकर फटकार लगाई थी। इतना ही नहीं गुस्से में आकर उन्होंने विनोद खन्ना पर पिस्तौल भी तान दी थी। ये खुलासा खुद विनोद खन्ना ने अपने एक पुराने इंटरव्यू में किया था।

निभाया था डाकू का किरदार

विनोद खन्ना ने इस फिल्म के बाद धर्मेन्द्र की सुपरहिट फिल्म 'मेरा गांव मेरा देश' जो कि साल 1971 में आई थी, इस फिल्म में भयंकर डाकू का किरदार निभाया था। ये फिल्म उस दौर की बड़ी हिट साबित हुई थी। यहीं से उनके विलेन बनने का सफर शुरू हुआ और कई फिल्मों में वह बतौर विलेन ही नजर आने लगे। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस जबरदस्त प्रदर्शन किया था।

70 के दशक में किया राज

70 का दशक आते-आते तो विनोद खन्ना की गिनती इंडस्ट्री के बड़े सुपरस्टार्स में होने लगी थी। उस दौर की तकरीबन हर फिल्म में विनोद खन्ना का होना जैसा जरूरी हो गया था। उन्होंने कई मल्टीस्टारर फिल्मों में भी काम किया। लेकिन 80 के दशक तक वह एक्शन हीरो के तौर पर पहचाने जाने लगे थे। कई फिल्मों उनके एक्शन अवतार को खूब पसंद किया गया था। अपने करियर में विनोद खन्ना ने 1968 से 2013 तक तकरीबन 150 फिल्मों में काम किया। अपने हर किरदार से उन्होंने दर्शकों का दिल भी खूब जीता। लेकिन ज्यादातर उन्हें आज भी खलनायक बनकर निभाए किरदारों के लिए याद किया जाता है।

रकुल प्रीत ने बॉयफ्रेंड संग किए राम मंदिर प्रतिमूर्ति रथ के दर्शन

मुंबई। बॉलीवुड के गलियारों में इन दिनों एक और जोड़ी काफ खबरों में छाई है। ये कोई और नहीं बॉलीवुड की सुपर हॉट एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह और निर्माता जैकी भगनानी हैं। बी-टाउन में दोनों के प्यार के चर्चे खूब हो रहे हैं। वहीं, अब रकुल और जैकी खुलकर अपने प्यार का इजहार दुनिया के सामने करते भी दिख रहे हैं। सुनने में आ रहा है कि दोनों इसी साल शादी बंधन में बंधने वाले हैं। शादी की खबरों के बीच कपल ने हाल ही में मुंबई में राम मंदिर प्रतिकृति रथ के दर्शन किए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें, तो रकुल प्रीत और जैकी दोनों अगले महीने 22 फरवरी को गोवा में सात फेरे लेंगे। ऐसे में अब शादी की खबरों के बीच दोनों को एक साथ राम मंदिर प्रतिकृति रथ के दर्शन किए। जैकी भगनानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर रकुल प्रीत सिंह संग अपनी एक तस्वीर और वीडियो शेयर किया है। ये तस्वीरें मुंबई के राम मंदिर प्रतिकृति रथ की यात्रा के दौरान की है। इस दौरान, कपल हाथ जोड़कर प्रार्थना करते और भगवान श्री राम से आशीर्वाद लेते नजर आ रहे हैं।

खबर संक्षेप

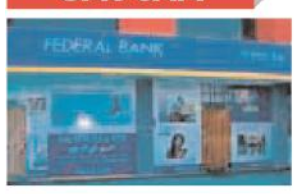

फेडरल बैंक के मुनाफे में 25 फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली। फेडरल बैंक का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में मुनाफा 25 प्रतिशत बढ़कर 1,007 करोड़ रुपये रहा। बैंक का पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में शुद्ध मुनाफा 804 करोड़ रुपये रहा था। फेडरल बैंक ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 6,593 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की समान अवधि में 4,967 करोड़ रुपये थी। निजी क्षेत्र के बैंक ने इस तिमाही में 5,730 करोड़ रुपये की ब्याज आय अर्जित की, जो एक साल पहले इसी अवधि में यह 4,433 करोड़ रुपये थी।

ईएसआईसी ने नवंबर में 15.92 लाख सदस्य जोड़े

नई दिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने नवंबर में ईएसआई योजना के तहत 15.92 लाख नए कर्मचारियों को जोड़ा। श्रम मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, नवंबर 2023 में करीब 20,830 नए प्रतिष्ठान पंजीकृत हुए और ईएसआईसी की सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आए। बयान के अनुसार, नियमित वेतन पर रखे गए कर्मचारियों के ईएसआईसी के आंकड़ों से पता चलता है कि नवंबर में करीब 15.92 लाख नए कर्मचारियों को जोड़ा गया।

एचडीएफसी बैंक का शुद्ध लाभ 34 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता एचडीएफसी बैंक का एकल आधार पर शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर, 2023) में 34 प्रतिशत बढ़कर 16,373 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बैंक का बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में शुद्ध लाभ 12,259 करोड़ रुपये रहा था।

आईटीसी के निदेशक रॉबर्ट ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। विभिन्न कारोबार से जुड़ी आईटीसी लि. के गैर-कार्यकारी निदेशक डेविड रॉबर्ट सिम्पसन ने व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा दे दिया है। कोलकाता की कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उनका इस्तीफा 30 जनवरी से प्रभावी होगा। सिम्पसन ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको पीएलसी की अनुषंगी कंपनी टोबैको मैन्युफैक्चरर्स (इंडिया) लि. के प्रतिनिधि के रूप में आईटीसी निदेशक मंडल में थे।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के मुनाफे में 34 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में मुनाफा 34 प्रतिशत बढ़कर 1,036 करोड़ रुपये रहा। बैंक का पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में मुनाफा 775 करोड़ रुपये रहा था। बीओएम ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 5,851 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 4,770 करोड़ रुपये थी। इस दौरान बैंक ने 5,171 करोड़ रुपये की ब्याज आय अर्जित की, जबकि 2022-23 की इसी अवधि में यह 4,129 करोड़ रुपये थी।

रोल्स रॉयस 19 जनवरी को भारत में लांच करेगी अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

रोल्स रॉयस 19 जनवरी 2024 को आधिकारिक तौर पर भारत में अपनी पहली ईवी लांच करने जा रही है। इससे पहले नवंबर 2023 में कंपनी ने चेन्नई में स्पेक्टर की पहली यूनिट की डिलीवरी की थी। स्पेक्टर फ्लैगशिप एसयूवी फैंटम और घोस्ट के बीच स्थित होगी, जिसकी शुरुआती कीमत 7-9 करोड़ रुपए एक्स-शोरूम होने की उम्मीद है।

अन्य रोल्स-रॉयस मॉडलों से अलग स्पेक्टर के प्रत्येक पहिये पर पॉवर देने के लिए एक इलेक्ट्रिक मोटर के साथ वी12 इंजन को रिप्लेस करेगा, जिससे यह एक दमदार 4डब्ल्यूडी कार बन जाएगी।

कार की शुरूआती कीमत 7 से 9 करोड़ रुपए होने की उम्मीद

कई शानदार खूबियों से लैस

स्पेक्टर का बाहरी डिजाइन काफी आकर्षक है, जिसमें अब तक की सबसे चौड़ी रोल्स-रॉयस ग्रिल शामिल है। 'स्पिरिट ऑफ एक्स्टसी' अपने शार्प पंखों के साथ बेहतर एरोडायनामिक्स मिलता है, जिससे 0.25सीडी का ड्रैग कोफिशियंट मिलता है; जो इसे अब तक का सबसे एयरोडायनेमिक रोल्स-रॉयस बनाता है। रोल्स-रॉयस ने स्पेक्टर के इंटीरियर के लिए बहुत सारे खास एलिमेंट्स को जोड़ा है। स्पेक्टर को स्टारलाईट दरवाजों से भी लैस किया जा सकता है, जिसमें 4,796 स्टार लाइटिंग्स शामिल हैं, जो रोल्स-रॉयस सीरीज में पहली बार देखने को मिलेगा।

स्पिरिट से लैस

टेक्नोलॉजी के तौर पर स्पेक्टर, स्पिरिट से लैस है, जो व्हीकल कार्यों को संभालने वाला और व्हिस्पर एप्लिकेशन के साथ इंटीग्रेटेड सिस्टम है। यह यूजर को दूर से अपनी कार से जुड़ने और इस लग्जरी कार के साथ रियल टाइम पहुंच का एक्सेस देता है। हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर में अपग्रेड के साथ प्लेनर सस्पेंशन सिस्टम, स्पेक्टर के 2,975 किलोग्राम वजन को भी आराम से संभाल सकती है।

इस ईवी कूप में एक पॉवरफुल 430 किलोवाट और 900 एनएम ड्राइवट्रेन है, जो इसे केवल 4.4 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की स्पीड तक पहुंचा देता है। इसमें 323 मील (520 किमी) की रेंज देने के लिए एक मजबूत 102 किलोवाट का बैटरी पैक है।

कंपनी का लक्ष्य 2030 के अंत तक अपने पूरे पोर्टफोलियो को इलेक्ट्रिक में तब्दील करना है, जो ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी के प्रति उनके दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है। रोल्स-रॉयस मोटर कार्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉर्स्टन मुलर-ओटवोस ने कहा कि स्पेक्टर उन खूबियों का प्रतीक है जिन्होंने रोल्स-रॉयस की विरासत को डिफाइन किया है।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री पुरी ने डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक में कहा

भारत 2028 से पहले ही 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा

एजेंसी ▸▸ दावोस

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि भारत 2028 से काफी पहले ही 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि देश की बड़ी आबादी के हितों की रक्षा के लिए ऊर्जा बदलाव को व्यवस्थित तरीके से किये जाने की जरूरत है।

- रक्षा के लिए ऊर्जा बदलाव को व्यवस्थित तरीके से करने की जरूरत

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री पुरी ने कहा कि भारत पर्यावरण को लेकर अपनी प्रतिबद्धताओं से अवगत है और बढ़ती अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा करते हुए सभी लक्ष्यों को समय पर पूरा करेगा।

खास बातें

- बढ़ती अर्थव्यवस्थी की सभी जरूरतों को भारत समय पर पूरा करेगा
- अब हम 4,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के करीब हैं

2028 तक इंतजार करने का जरूर नहीं

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक 2024 के दौरान 'स्थायी आर्थिक वृद्धि के लिए भारत के ऊर्जा बदलाव को गति विषय पर सीआईआई-ईवाई के सत्र में उन्होंने यह बात कही। मंत्री ने विभिन्न वृहद आर्थिक मापदंडों का उल्लेख करते हुए कहा, मुझे नहीं लगता कि हमें 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए 2028 तक का इंतजार करने की जरूरत है।

कोई भी निर्णय बिना सोच विचार के न हो

पुरी ने कहा, " मेरा मानना है कि ऊर्जा बदलाव व्यवस्थित होना चाहिए...। इसमें सभी सुरक्षा उपाय होने चाहिए जो यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी निर्णय बिना सोच-विचार न लिया जाए।" पुरी ने कहा कि यह भारत जैसे देश के लिए और भी महत्वपूर्ण है, जो अब दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश भी है।

बड़ी आबादी का ख्याल रखना जरूरी

मंत्री ने कहा, "जब ऊर्जा की बात आती है, तो आर्थिक वृद्धि और ऊर्जा के बीच संबंध बहुत महत्वपूर्ण है। अब हम 4,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के करीब हैं लेकिन तथ्य यह है कि हमें अपनी आबादी के एक बड़े हिस्से का ख्याल रखने की जरूरत है।"

कच्चे तेल की जरूरतों का बड़ा हिस्सा करते हैं आयात

पुरी ने कहा, "घरेलू बाध्यताओं का ध्यान रखे बिना परिवर्तन की आवश्यकता के बारे में सिद्धांत बनाना एक बात है। जहां तक भारत का सवाल है, उपलब्धता और ऊर्जा संसाधन महत्वपूर्ण हैं क्योंकि हम अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा आयात करते हैं।"

भारत भी कर रहा संकटों का सामना

केंद्रीय मंत्री ने कहा, "दुनिया जिन विभिन्न संकट का सामना कर रही है, उसे देखते हुए भारत में जिस तरीके से लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार है, उसे यह भी ध्यान रखना होगा, चीजें किफायती हों। उसके बाद पर्यावरण आता है और हम उसके लिए भी पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।"

ऊर्जा बदलाव पर 2030 तक सभी लक्ष्य पूरे करेंगे

पुरी ने कहा , 'मुझे विश्वास है कि ऊर्जा बदलाव पर 2030 के लिए हमारे सभी लक्ष्यों को हम पूरा करेंगे। हमारी हरित हाइड्रोजन नीति व्यापक तौर पर सफल होगी।' पुरी ने कहा, हम विमानन ईंधन पर अपने लक्ष्यों को पूरा करने की राह पर हैं। भारत आज जैव ईंधन मिश्रण के लिए एक शानदार क्षमता पेश कर रहा है।

जल्द 19 शहरों में सीधे मोबाइल पर प्रसारण का परीक्षण : चंद्रा

बिना सिम या इंटरनेट के वीडियो स्ट्रीम कर सकेंगे

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

'डायरेक्ट-टू-मोबाइल' (सीधे मोबाइल तक) प्रसारण जल्द ही एक वास्तविकता बन सकता है। इसमें मोबाइल उपयोगकर्ता बिना सिम कार्ड या इंटरनेट कनेक्शन के वीडियो स्ट्रीम कर सकेंगे। सूचना एवं प्रसारण सचिव अपूर्व चंद्रा ने एक प्रसारण सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि घरेलू डायरेक्ट-टू-मोबाइल (डी2एम) प्रौद्योगिकी का परीक्षण जल्द ही 19 शहरों में किया जाएगा और इस उभरती प्रौद्योगिकी के लिए 470-582 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम आरक्षित करने की जोरदार वकालत की जाएगी। चंद्रा ने कहा कि वीडियो ट्रैफिक का 25-30 प्रतिशत डी2एम में स्थानांतरित होने से 5जी नेटवर्क की भीड़ कम हो जाएगी, जिससे देश में डिजिटल बदलाव में तेजी आएगी। पिछले साल डी2एम तकनीक का परीक्षण करने के लिए परीक्षण (पायलट) परियोजना बेंगलुरु, कर्तव्य पथ और नोएडा में चलाई गई थी। चंद्रा ने कहा कि डी2एम तकनीक देश भर में लगभग 8-9 करोड़ /"टीवी डार्क/" घरों तक पहुंचने में मदद करेगी। देश के 28 करोड़ घरों में से केवल 19 करोड़ के पास टेलीविजन सेट हैं। उन्होंने कहा कि देश में 80 करोड़ स्मार्टफोन हैं और उपयोगकर्ताओं तक पहुंच वाली 69 प्रतिशत सामग्री वीडियो प्रारूप में है।

- प्रौद्योगिकी के लिए 470-582 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम आरक्षित

सांख्य लैब्स व आईआईटी ने विकसित की तकनीक

सांख्य लैब्स और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर द्वारा विकसित डी2एम प्रसारण तकनीक वीडियो, ऑडियो और डेटा सिग्नल को सीधे संगत मोबाइल और स्मार्ट उपकरणों पर प्रसारित करने के लिए स्थलीय दूरसंचार बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक प्रसारक द्वारा निर्दिष्ट स्पेक्ट्रम का उपयोग करती है।

एथनॉल के लिए भारत की ब्राजील के साथ बातचीत

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

कार्बन उत्सर्जन में कटौती के लिए वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देने के प्रयास के बीच भारत एथनॉल का इस्तेमाल बढ़ाने के मकसद से तकनीकी साझेदारी के लिए ब्राजील के साथ बातचीत कर रहा है।

- कार्बन उत्सर्जन में कटौती व वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा दिया जा रहा

केंद्रीय मंत्री वी के सिंह ने मंगलवार को कहा कि ब्राजील लंबे समय से वाहनों में एथनॉल का उपयोग कर रहा है और इस दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र से बहुत कुछ सीखना बाकी है। सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्यमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में 'एसोचैम-फ्यूल्स ऑफ द फ्यूचर 2.0' सम्मेलन में कहा, हम उनसे (ब्राजील) सीख सकते हैं। सिंह ने कहा कि जीवाश्म ईंधन के स्थान पर वैकल्पिक ईंधन के बारे में जागरूकता लाने की जरूरत है। गन्ने के अलावा टूटे चावल, मक्का और मकई का उपयोग करके भी एथनॉल का उत्पादन किया जा सकता है। नागर विमानन राज्यमंत्री का भी जिम्मा संभालने वाले सिंह ने कहा, टिकाऊ विमानन ईंधन पर भी जोर दिया जा रहा है और हमने इसका उड़ान पर परीक्षण किया है।

मानसिकता में बदलाव लाना होगा

आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि हम कौन सा वैकल्पिक ईंधन अपनाएं और इसको लेकर मानसिकता में कैसे बदलाव लाएं। ब्राजील के दूतावास के राजदूत केनेथ फेलिक्स हजिंस्की दा नोबेगा ने कहा कि भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान वैश्विक जैवईंधन गठजोड़ का शुभारंभ वास्तव में स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व प्रयास है।

सोना 100 रुपए कमजोर चांदी 300 रुपए फिसली

नई दिल्ली। कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में मंगलवार को सोने का भाव 100 रुपये की गिरावट के साथ 63,450 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 63,550 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 300 रुपये के गिरावट के साथ 76,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, 'दो दिन की बढ़त का सिलसिला टूटते हुए दिल्ली के बाजारों में सोने की हाजिर कीमतें 100 रुपये की गिरावट के साथ 63,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही हैं।' अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोना गिरावट के साथ 2,049 डॉलर प्रति औंस रह गया जबकि चांदी का भाव भी नुकसान के साथ 23.06 डॉलर प्रति औंस रहा।

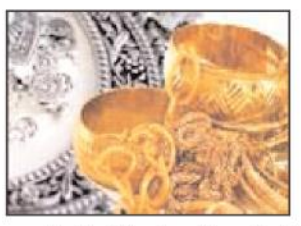

शेयर बाजार में पांच दिन से जारी तेजी पर विराम

एजेंसी ▸▸ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को पिछले पांच कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर विराम लगा। कमजोर वैश्विक रुख के बीच आईटी तथा पेट्रोलियम कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स में 199 अंक की गिरावट आई।

- सेंसेक्स 199 अंक टूटा

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 199.17 अंक 73,128.77 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स कमजोर खुला लेकिन बाद में इसमें तेजी आई और यह अबतक के उच्चतम स्तर 73,427.59 अंक तक पहुंच गया। एनएसई निफ्टी कारोबार के दौरान 22,124.15 के उच्चस्तर तक पहुंच गया था। हालांकि, अंत में यह 65.15 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,032.30 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी के 50 शेयरों में 33 नुकसान में जबकि 17 लाभ में रहे।

इन शेयरों में रही गिरावट

सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज में सर्वाधिक 2.05 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा, विप्रो, एनटीपीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंडसइंड बैंक, सन फार्मा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल और एसबीआई के शेयर भी नीचे आए। आईटी शेयरों में मुनाफावसूली से तेज गिरावट आई।

टाटा स्टील रहा लाभ में

दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में टाटा स्टील, टाइटन, मारुति, लार्सन एंड टुब्रो, आईटीसी और जेएसडब्ल्यू स्टील शामिल हैं। एचडीएफसी बैंक के वित्तीय परिणाम से पहले उसका शेयर 0.42 प्रतिशत चढ़ा। बैंक का तीसरी तिमाही का परिणाम बाजार बंद होने के बाद आया।

टीसीएस सभी कर्मियों को एआई कौशल में करेगा प्रशिक्षित

एजेंसी ▸▸ मुंबई

देश की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर निर्यातक कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) अपने पांच लाख से अधिक सॉफ्टवेयर इंजीनियरों के कार्यबल को जेनेरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के आगामी अवसरों के लिए प्रशिक्षित करेगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी द्वारा हाल ही में गठित 'एआई.क्लाउड' इकाई के प्रमुख शिवा गणेशन ने बताया कि एक व्यावसायिक अवसर के रूप में जेनेरेटिव एआई अभी अपने 'शुरुआती दौर' में है और इसका इस्तेमाल अभी कम हो रहा है। अधिकारी ने बताया कि कंपनी ग्राहकों के लिए जारी काम में तेजी लाने के लिए जेन एआई से प्राप्त जानकारी का इस्तेमाल कर रही है।

- देश की सबसे बड़ी साफ्टवेयर निर्यातक कंपनी है

पूरा संगठन एआई के लिए तैयार होगा

गणेशन ने कहा, 'कार्यबल तैयार हो रहा है। आने वाले समय में पूरा संगठन स्वयं (जेन) एआई के लिए तैयार होगा।' जेन एआई कौशल से कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने की समयसीमा पर पूछ जाने पर गणेशन ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया।

एलएंडटी को मिला बुलेट ट्रेन के विद्युतीकरण का ठेका

नई दिल्ली। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) की विनिर्माण इकाई को देश में बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए विद्युतीकरण प्रणाली स्थापित करने का बड़ा ठेका मिला है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह ऑर्डर अधिकृत जापानी एजेंसी ने दिया है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, 'एलएंडटी कंस्ट्रक्शन के रेलवे रणनीतिक व्यापार समूह को मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना के लिए 508 किलोमीटर मार्ग पर विद्युतीकरण प्रणाली के निर्माण के लिए एक बड़ा ठेका मिला है। इसे बुलेट ट्रेन परियोजना के रूप में जाना जाता है।' विद्युतीकरण प्रणाली स्थापित होने के बाद इस मार्ग पर ट्रेन 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकेगी। इस परियोजना का वित्तपोषण जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) द्वारा किया जा रहा है।

दिसंबर 2023 में दालों की महंगाई दर 20 प्रतिशत के पार रही

एक साल में 37 प्रतिशत महंगी हुई अरहर दाल

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

केंद्र सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद दालों की आसमान छूती कीमतें घटने का नाम नहीं ले रही है। 12 जनवरी 2024 को खुदरा महंगाई दर का जब आंकड़ा जारी किया गया उसके मुताबिक दिसंबर 2023 में दालों और उससे जुड़े प्रोडक्ट्स की महंगाई दर 20.73 फीसदी दर्ज की गई है जबकि एक साल पहले समान अवधि दिसंबर 2022 में दालों की महंगाई दर 3.15 फीसदी रही थी। यानि एक साल में दालों की महंगाई दर में 17.58 फीसदी का उछाल आया है। केवल खुदरा महंगाई दर के आंकड़ों में ही नहीं बल्कि वाणिज्य मंत्रालय ने दिसंबर 2023 के लिए होलसेल महंगाई दर के जो आंकड़े सोमवार 15 जनवरी 2024 को जारी किए हैं उसमें भी दालों की महंगाई दर 19.60 फीसदी रही है। जबकि दिसंबर 2022 में दालों की महंगाई दर 1.48 फीसदी रही थी। जाहिर है बात चाहे खुदरा महंगाई दर के आंकड़ों की करें या फिर होलसेल महंगाई दर के आंकड़ों की, दोनों ही में दालों की महंगाई दर में जोरदार उछाल बीते एक साल में आया है।

- दालों से जुड़े प्रोडक्टस की महंगाई दर 20.73 फीसदी दर्ज

कीमतों पर नकेल कसने की कवायद

सरकार ने दालों की महंगाई पर लगाम लगाने के लिए हाल के दिनों कई फैसले लिए हैं इसके बावजूद दालों की महंगाई आम लोगों की जेब पर डाका डाल रही है। दालों की आसमान छूती कीमतों से परेशान सरकार ने पिछले महीने दिसंबर 2023 में अरहर दाल और उड़द दाल के इंपोर्ट के ड्यूटी फ्री आयात की अवधि को एक साल यानि 31 मार्च 2025 तक के लिए बढ़ाने का फैसला लिया था। सरकार मसूर दाल के ड्यूटी फ्री इंपोर्ट की अवधि को भी एक साल के लिए पहले ही बढ़ा चुकी है।

1 साल में 37 फीसदी महंगा हुआ अरहर दाल

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के प्राइस मॉनिटरी डिविजन के डेटा के मुताबिक 14 जनवरी 2024 को रिटेल मार्केट में अरहर दाल का औसत मुल्य 151.88 रुपये किलो था जो एक साल पहले जनवरी 2023 में 110.83 रुपये प्रति किलो में मिल रहा था। यानि एक वर्ष में अरहर दाल के औसत मुल्य में 37 फीसदी का उछाल आ चुका है। उड़द दाल 122.51 रुपये प्रति किलो में मिल रहा था जो बीते साल पहले 106.41 रुपये प्रति किलो में मिल रहा था। एक साल में उड़द दाल की कीमतों में 15.13 फीसदी का उछाल आ चुका है। बात करें मूंग दाल की तो अभी मंगू दाल 115.87 रुपये प्रति किलो में रिटेल मार्केट में मिल रहा है।

इंजीनियरिंग सामान का निर्यात 10.20 फीसदी बढ़ा

कोलकाता। प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं में भू-राजनीतिक तनाव और सख्त वित्तीय स्थितियों से उत्पन्न विभिन्न चुनौतियों के बावजूद भारत का इंजीनियरिंग सामान का निर्यात दिसंबर, 2023 में 10.20 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 10.04 अरब डॉलर रहा। भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात संवर्द्धन परिषद (ईईपीसी) के चेयरमैन अरुण कुमार गरोडिया ने कहा, 'हालांकि, यह एक मजबूत पुनरुद्धार दिखाता है लेकिन मौजूदा वैश्विक आर्थिक स्थितियों के कारण क्षेत्र को अब भी अनिश्चितताओं का सामना करना पड़ रहा है।' उन्होंने कहा, 'इंजीनियरिंग निर्यातकों के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण समय रहा है। यूरोप और अब पश्चिम एशिया में तनाव ने महत्वपूर्ण नकारात्मक जोखिम पैदा कर दिया है।' उन्होंने कहा कि जहां समग्र मांग मजबूत बनी हुई है वहीं लाल सागर संकट एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, जिससे पारगमन समय में वृद्धि के कारण देरी और माल ढुलाई लागत बढ़ रही है।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा निकाली

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में बने राममंदिर में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होना है। इस वक्त पूरा देश भक्तिभाव में लीन है। जगह जगह हवन पूजन और अनुष्ठान हो रहे हैं। मंदिरों की साफ सफाई की जा रही है। धार्मिक आयोजन हो रहे है। अयोध्या में भी मंगलवार से हवन पूजन और अनुष्ठान शुरु हो गए है। कई दिग्गज नेता भी अलग अलग जगहों पर मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना कर रहे हैं। कुल मिलाकर भक्ति में भारत लीन है।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने नई दिल्ली में कनॉट प्लेस हनुमान मंदिर में पूजा की

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में हनुमान सेतु मंदिर में पूजा की

खबर संक्षेप

पहली महिला जासूस नीरा का स्मारक तैयार

नई दिल्ली। देश की पहली महिला जासूस नीरा आर्य का स्मारक एवं पुस्तकालय बनकर तैयार है। अब

इस स्मारक का लोकार्पण 26 जनवरी को होगा। नीरा आर्य आजाद हिन्द फौज में रानी झांसी रेजिमेंट की सिपाही रही थीं। नीरा आर्य के जन्म स्थान बागपत के खेकड़ा की पट्टी गिरधरपुर में बने स्मारक एवं पुस्तकालय की स्थापना साहित्यकार तेजपाल सिंह धामा एवं मधु धामा ने की है। इसका लोकार्पण चाणक्य फेम प्रख्यात फिल्म निर्देशक चंद्रप्रकाश द्विवेदी, फिल्म निर्माता विशाल त्यागी एवं विधायक योगेश धामा करेंगे।

बाइडेन पर भड़के डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से

राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की रेस में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 15 जनवरी को आयोवा प्रांत में पहली कॉकस में जीत दर्ज की है। उन्होंने आयोवा राज्य की राजधानी डेस मोइनेस में अपने अभियान की वॉच पार्टी में अमेरिका के राष्ट्रपति जो वाइडेन पर हमला करते हुए ट्रंप कहा कि अमेरिकी इतिहास में अब तक का सबसे खराब राष्ट्रपति करार दिया। ट्रंप ने कहा कि अब पूरी दुनिया हम पर हंसने लगी है। ऐसे में अब वक्त आ गया है कि हमारे देश के लोग एक साथ आएं।

तुर्की के साथ किलर ड्रोन की डील

प्रेशर: मालदीव उपयोग करेगा यूक्रेन वाले ड्रोन!

एजेंसी ▶▶ माले

मालदीव के भारत विरोधी राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू लगातार भारत विरोधी बयान और काम कर रहे है। हालिया चीन की यात्रा के बाद से ही मोइज्जू के सुर भारत को लेकर और तीखे हो गए हैं। मालदीव के राष्ट्रपति मोइज्जू ने भारत से मार्च के मध्य तक अपनी सेना मालदीव से हटाने का समय दिया है। मालदीव अब तुर्की से घातक ड्रोन की डील कर रहा है। यह घातक ड्रोन यूक्रेन ने जंग में इस्तेमाल किए हैं। पाकिस्तान भी इन ड्रोन का इस्तेमाल करता है। कहने को तो समुद्री निगरानी के नाम पर वह ड्रोन खरीद रहा है, पर परोक्ष रूप से ड्रोन की यह डील कहीं न कहीं भारत विरोधी ही है। मालदीव भारत का विरोध करने वाले देशों के साथ संपर्क बढ़ा रहा है। राष्ट्रपति मोइज्जू पहली बार तुर्की की यात्रा पर ही गए थे। अब मालदीव तुर्की से घातक ड्रोन की बड़ी डील कर रहा है।

भारत ने दिए थे डोर्नियर विमान और हेलिकॉप्टर

इससे पहले भारत ने मालदीव को अपने समुद्री तटों की निगरानी के लिए डोर्नियर विमान और हेलिकॉप्टर दिया था। भारतीय सैन्य तकनीकी दल इस विमान की रिपेयरिंग करता था। इन भारतीय सैनिकों को मालदीव के राष्ट्रपति ने 15 मार्च तक चले जाने के लिए कहा है। माना जा रहा है कि इसी कमी को पूरा करने के लिए मोइज्जू ने तुर्की के साथ हाथ मिलाया है और सैन्य ड्रोन खरीद रहा है।

अपनी क्षमता बढ़ाएंगे: मोइज्जू ?

मुइज्जू ने कहा, 'हमने अपनी शक्ति और क्षमता को बढ़ाना शुरू कर दिया है ताकि पूरे 9 लाख किलोमीटर के विशेष आर्थिक क्षेत्र में अपनी निगरानी को बढ़ाया जा सके। मैं आशा करता हूं कि जल्द ही अपनी क्षमता को विकसित कर लेंगे ताकि इस पूरे इलाके का प्रबंधन किया जा सके।' यही नहीं मोइज्जू सरकार ने तुर्की से सैन्य ड्रोन के लिए रास्ता साफ करते हुए आयात ड्यूटी को भी हटा दिया है। मालदीव की सेना ने अभी डील पर कोई बयान नहीं दिया है। अभी तक भारत और मालदीव की नौसेना मिलकर इस पूरे इलाके की निगरानी करते थे।

1947 के बाद पहली बार खुली पुलिस चौकी

माओवादियों के गढ़ में 600 कमांडो ने 60 किमी पैदल चलकर बनाई चौकी

एजेंसी ▶▶ गढ़चिरौली

महाराष्ट्र पुलिस ने गढ़चिरौली जिले के गार्डेवाड़ा में एक पुलिस चौकी सफलतापूर्वक स्थापित की। यह चौकी रणनीतिक रूप से माओवादियों के गढ़ अबूझमाड़ से सिर्फ 5 किमी. दूर स्थित है। 1947 में भारत को आजादी मिलने के बाद से महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ तक फैले इस सुदूर क्षेत्र में पहली बार पुलिस उपस्थिति है।

- अबूझमाड़ से सिर्फ 5 किमी दूर है चौकी
- 1500 कर्मियों ने 1 दिन में तैयार की पुलिस चौकी

माओवादियों द्वारा बारूदी सुरंगों और घात लगाकर किए जाने वाले हमलों से निपटने के लिए इस कार्य को लेकर अंजाम दिया गया है। सड़क से रास्ता बनाने के लिए कोशिश में लगे करीब 600 कमांडो ने गार्डेवाड़ा पहुंचने के लिए 60 किमी की दूरी पैदल तय की। इस पूरे अभियान में लगभग 1500 कर्मियों ने एक दिन के भीतर पुलिस चौकी स्थापित की। साथ ही संबंधित सहायता सुनिश्चित करने और बुनियादी ढांचे को इकट्ठा करने के लिए कड़ी मेहनत की। पूर्वी विदर्भ के सुदूर एटापल्ली तालुका में स्थित गार्डेवाड़ा पुलिस चौकी, अबूझमाड़ के करीब है और साथ ही सीमा के दूसरी ओर छत्तीसगढ़ के कांकेर में मारबेड़ा पुलिस शिविर से 5.5 किमी दूर है। यह क्षेत्र माओवादी कैडरों, उनके प्रशिक्षण शिविरों, छपाई, सिलाई, हथियार और गोला-बारूद सहित विभिन्न गतिविधियों के लिए विनिर्माण इकाइयों के लिए प्रसिद्ध है।

माओवादियों ने 3 आईईडी ब्लास्ट किए थे

2019 लोकसभा चुनाव के दौरान गार्डेवाड़ा चर्चा में आया था, जब माओवादी विद्रोहियों ने तीन शक्तिशाली आईईडी विस्फोट करके मतदान को बाधित किया। गार्डेवाड़ा की सुदूर प्रकृति स्पष्ट है, क्योंकि ताडगुडा नाला का उफान इस क्षेत्र को हर साल छह महीने के लिए अलग कर देता है। उम्मीद है कि पुलिस चौकी से धारा पर एक पुल के निर्माण की सुविधा मिलेगी, जिससे गढ़चिरौली जिले से साल भर कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी।

750 वर्ग किमी क्षेत्र में बढ़ेगी निगरानी

गढ़चिरौली के एसपी नीलोत्पल ने कहा कि महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में गट्टा-गार्डेवाड़ा-तोरगाटे-वांगेटुरी-मेंदरी-पनावर को जोड़ने वाली 38 किमी लंबी अंतरराज्यीय सड़क परियोजना को भी गति मिलने की उम्मीद है, जिसमें लगभग 20 किमी पहले ही पूरा हो चुका है। एक दर्जन मोबाइल फोन टावर भी शीघ्र स्थापित किये जाएंगे। नीलोत्पल के अनुसार, पुलिस चौकी से 750 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में निगरानी बढ़ेगी, जिसे पहले माओवादियों का गढ़ माना जाता था। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में गढ़चिरौली में चार पुलिस चौकियों के खुलने से लगभग 2 हजार वर्ग किमी की सुरक्षा शून्यता को प्रभावी ढंग से संबोधित किया गया है।

न्यू चिटोसे एयरपोर्ट पर हादसा

जापान एयरपोर्ट पर विमान भिड़े, बाल बाल बचे 289 यात्री

एजेंसी ▶▶ टोक्यो

जापान के न्यू चिटोसे एयरपोर्ट पर मंगलवार को 289 यात्रियों को लेकर रनवे पर जा रहा कोरियाई विमान पहले से खड़े कैथे पैसिफिक विमान से टकरा गया। हालांकि हादसे में किसी के हताहत अथवा नुकसान होने की सूचना नहीं है।जापानी मीडिया के अनुसार, कोरियाई एयरलाइंस का विमान मंगलवार को उड़ान भरने के लिए रनवे पर जाते समय पहले से खाली खड़े कैथे पैसिफिक विमान से टकरा गया।

हालांकि हादसे के बाद आग अथवा ईंधन रिसाव की घटना सामने नहीं आई। स्थानीय अग्निशमन विभाग ने कहा कि इस घटना में विमानों में आग नहीं लगी और न ही कोई घायल हुआ है। परिवहन अधिकारी हवाई यातायात नियंत्रकों और दो विमानों के बीच हुई इस घातक टक्कर के कारण की जांच कर रहे हैं।

पहले भी हुई थी ऐसी घटना

अभी दो सप्ताह पहले ही जापान के हानेडा एयरपोर्ट पर जापान एयरलाइंस के विमान और एक तटरक्षक विमान की टक्कर हो गई थी। हादसे में छोटे विमान में सवार चालक दल के छह सदस्यों में से पांच की मौत हो गई थी।

नायडू की याचिका पर जज एकमत नहीं

एफआईआर रद्द करने की याचिका पर अब सुनवाई करेंगे सीजेआई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू की याचिका पर अब चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ सुनवाई करेंगे। दरअसल दो जजों की पीठ ने याचिका पर अलग-अलग फैसला दिया। जिसके बाद मुख्य न्यायाधीश के पास भेजा है। याचिका में पनायडू ने स्किल डेवलेपमेंट घोटाले के मामले में उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की है।

इसलिए नहीं बनी सहमति

जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस बेला त्रिवेदी की पीठ पीसी एक्ट की धारा 17ए के लागू होने को लेकर सहमत नहीं थे। इस धारा के तहत जांच शुरू करने से पहले मंजूरी लेने था। जस्टिस बोस का मानना था कि नायडू के खिलाफ कार्रवाई से पहले मंजूरी ली जानी चाहिए थी।

दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में हुई भेंट

स्विट्जरलैंड में अपने दोस्त से मिले हरदीप, स्मृति भी थीं मौजूद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी अपने पुराने मित्र सेल्सो एमोरिम से मुलाकात की। सेल्सो एमोरिम मौजूदा समय में ब्राजील के राष्ट्रपति लुला द सिल्वा के मुख्य सलाहकार हैं। बता दें कि दोनों की मुलाकात स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दौरान हुई। पुरी उन दिनों को याद किए जब वे ब्राजील में भारतीय राजदूत थे और सेल्सो उस समय ब्राजील के विदेश मंत्री थे। इसके अलावा जब हरदीप पुरी यूके में भारतीय दूत के तौर पर नियुक्त हुए थे, तब सेल्सो लंदन में ब्राजील के दूत के तौर पर काम कर रहे थे। हरदीप पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'अपने पुराने मित्र सेल्सो एमोरिम से मिलकर बहुत खुशी हुई।

फोरम में स्मृति ईरानी भी हुईं शामिल

केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी के साथ वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में शामिल हुए। सोमवार को दोनों नेता अन्य उद्योग जगत के नेताओं के साथ दावोस में वीलीड लाउंज का शुभारंभ किया। यह लाउंज अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भूमिका को प्रदर्शित करता है। इसे महिलाओं के विकास में चर्चा करने के लिए तैयार किया गया है।

खाई में गिरा सैन्य वाहन दो जवान घायल

पुंछ। मंगलवार को सेना का एक वाहन अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। इससे वाहन में सवार दो जवानों को गंभीर चोटें आई हैं। हादसे का पता चलते ही आसपास के लोग, सेना के अन्य जवान और पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को खाई से निकाल कर अस्पताल रवाना किया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

हमले में 4 लोगों की मौत हुई और 6 लोग गंभीर रूप से घायल हुए

ईरान ने मोसाद के 'जासूसी हेडक्वार्टर' को बैलिस्टिक मिसाइल से उड़ाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड ने इराक में इजराइली खुफिया एजेंसी मोसाद के एक 'जासूसी हेडक्वार्टर' पर हमला किया है। ये हमला इराक के अर्ध-स्वायत्त कुर्दिश क्षेत्र इरबिल में हुआ है। बैलिस्टिक मिसाइल से ये हमला जएक वीआईपी इलाके में हुआ है, जहां से थोड़ी ही दूर पर ही अमेरिका का वाणिज्यिक दूतावास है। कुर्दिश क्षेत्रीय सरकार के सिक्योरिटी काउंसिल ने एक बयान जारी कर बताया है कि इस हमले में 4 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स का कहना है कि उन्होंने इराक के साथ सीरिया में इस्लामिक स्टेट के खिलाफ भी कार्रवाई की है।

फिलिस्तीनी ही करेंगे गाजा पर राज

इजराइली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने गाजा को हड़पने के लग रहे आरोपों पर जबाव दिया है। उन्होंने कहा कि गाजा फिलिस्तीनी लोगों का है और युद्ध खत्म होने के बाद वही इस पर शासन करेंगे। अरब देशों ने दावा किया था कि यरूशलम और वेस्ट बैंक की तरह गाजा पर भी इजरायल कब्जा कर लेगा। फिलिस्तीन के हथियारबंद संगठन हमास से चल रही लड़ाई के बीच इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने उत्तरी गाजा में जमीनी सैन्य अभियान को खत्म करने का ऐलान कर दिया है।

दो इजराइली बंधकों की मौत की घोषणा

फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास ने एक नया वीडियो जारी किया है, जिसमें दो इजरायली बंधकों की मौत की घोषणा की गई है। हमास के इस ऐलान ने क्षेत्र में पहले से ही अस्थिर और तनावपूर्ण स्थिति को और भड़का दिया है। 15 जनवरी 2024 को सामने आए वीडियो में 26 साल की महिला बंधक नोआ अरगामनी को दिखाया गया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)